दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-148 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 21 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मप्र विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश, आज होगी चर्चा

एक साथ 14 विधेयक सदन को बिना जानकारी पेश करने पर आपत्ति, उज्जैन जमीन खरीदी मामले पर हंगामा

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को ही राज्य सरकार ने सदन में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 पेश कर दिया है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस पर कल चर्चा कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कार्यवाही होगी।इससे पहले सदन में उज्जैन जमीन खरीदी मामले पर चर्चा को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों का शोर-शराबा जारी रहा। इसके चलते विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित की गई। दोबारा कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर राज्य सरकार ने एक के बाद एक कई विधेयक पेश किए। मंत्रियों ने विभागीय पत्रों को पटल पर रखने की कार्यवाही पूरी की।

इनमें मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता 2026, मध्य प्रदेश निरसन विधेयक 2026, मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026, मध्य प्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक 2026, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक 2026, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, मध्य प्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026, मध्य प्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्क स्पेसेज 2026, मध्य प्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026, मध्य प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता संशोधन विधेयक 2026 शामिल हैं। मंत्री गौतम टेटवाल ने मध्य प्रदेश पंचायती राज और ग्राम स्वराज संशोधन अध्यादेश 2026, मध्य प्रदेश उपकर संशोधन अध्यादेश 2026 सदन के पटल पर रखे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, उदय प्रताप सिंह तोमर, चैतन्य कुमार काश्यप और इंदर सिंह परमार ने विभागीय पत्रों को पटल पर रखने की कार्यवाही की। मंत्री उदय प्रताप सिंह और चैतन्य कुमार काश्यप के स्थान पर मंत्री कृष्णा गौर ने पत्रों को पटल पर रखा।दरअसल, विधानसभा सचिवालय ने आज की पूरक कार्य सूची जारी करते हुए 14 विधेयकों की जानकारी सदन को दी। एक साथ इतने विधेयक पेश किए जाने पर कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने आपत्ति जताई। उन्होंने अध्यक्ष से सवाल किया कि जब यह विधेयक कार्य सूची में शामिल नहीं थे तो अचानक इन्हें क्यों लाया गया है? इस पर इस पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इस पर चर्चा हुई थी। इसके बाद यह विधेयक सदन में ले आए हैं। कल इन पर चर्चा होगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने कहा कि बिना सदस्यों को जानकारी दिए इस प्रकार की प्रक्रिया गलत है। सदन को विश्वास में नहीं लिया गया और ऐसा लगातार हो रहा है।

समान नागरिक संहिता से होगा सभी का भला : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर राम, रहीम, रविन्दर और रॉबिन सभी के लिए एक कानून की बात कही जा रही है। इस संबंध में विधानसभा के पटल पर विधेयक प्रस्तुत हुआ है, जो वर्षाकालीन सत्र में कानून का रूप लेगा। मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल ने इसे 19 जुलाई को स्वीकृति दी थी। उम्मीद है, भविष्य में इसके लाभ से सभी को लाभान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीवी चैनल प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि समान नागरिक संहिता से सभी का भला सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि समान नागरिक संहिता का लाभ सभी नागरिकों को प्राप्त होगा। सर्वाधिक लाभ मुस्लिम बहनों को होने वाला है। एक राष्ट्र, एक प्रधान, एक विधान और एक व्यवस्था के सिद्धांत पर कार्य हो रहा है। विवाह विच्छेद के बिना दूसरा विवाह नहीं किया जा सकेगा। इस संबंध में प्रदेश में उच्च स्तरीय समिति के गठन और पूरे प्रदेश में विचार- विमर्श करने के साथ ही सभी समुदायों के नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए गए। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं का समर्थन मिला था। प्रदेश की बेहतरी के लिए विपक्ष सहित सभी वर्गों और पक्षों से सहयोग और एकजुटता की आशा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदशन में मध्यप्रदेश एक नया रिकार्ड बनाने जा रहा है। अलग-अलग धर्मों के अनुयायियों के लिए एक विवाह का कानून लागू होगा। वैधानिक रूप से तलाक लिए बिना दूसरा विवाह गैर कानूनी रहेगा। इसके लिए दंड का कानून भी रहेगा।

युवाओं पर कार्रवाई का हवाला देकर सोनम वांगचुक ने अनशन जारी रखने का किया ऐलान

नई दिल्ली, (ए.)। शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर अनशन पर बैठे पर्यावरणविद सोनम वांगचुक ने अपना अनशन जारी रखने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं के साथ हुई कथित बर्बरता को देखते हुए उन्होंने अनशन समाप्त नहीं करने का निर्णय लिया है। उन्होंने सरकार और पुलिस से छात्रों को संसद के समक्ष अपनी शिकायतें रखने की अनुमति देने की अपील की है।सोनम वांगचुक ने सोमवार को सफदरजंग अस्पताल से जारी हस्तलिखित संदेश में कहा कि उनका अनशन तब तक जारी रहेगा, जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती या उन्हें स्वयं अस्पताल में उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी जाती। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि इससे पहले सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी।वांगचुक ने कहा कि उकसावे के बावजूद युवाओं ने जिस संयम और शांति का परिचय दिया है, उससे वे भावुक और प्रभावित हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा प्रदर्शनकारी आगे भी धैर्य और सहनशीलता बनाए रखेंगे।उल्लेखनीय है कि वांगचुक शिक्षा व्यवस्था में सुधार एवं अन्य मांगों को लेकर पिछले 23 दिनों से अनशन पर हैंवहीं कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि हमारी मांगों पर सरकार की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। हम अभी भी इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, जंतर-मंतर (केरल हाउस के बाहर) पर विरोध प्रदर्शन जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन आयोजित कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में शामिल हुए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन, एसआईटी का होगा पुनर्गठन; आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई टीम करेगी जांच

नई दिल्ली(आरएनएस)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के सनसनीखेज मामले में सोमवार (20 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एक बड़ा आदेश पारित किया है। शीर्ष अदालत ने किसी वरिष्ठ अधिकारी की अगुवाई में मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) का पुनर्गठन करने का सख्त निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि मामले की जांच तेज गति से जारी है और पुलिस अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

संसद में पहले ही दिन भारी हंगामा, नहीं चल सकी राज्यसभा, कार्यवाही 6 बार स्थगित

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार को संसद के मानसून सत्र का पहला दिन था। हालांकि पहले ही दिन संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जबरदस्त तकरार देखने को मिली। संसद के दोनों सदनों में लगातार हंगामा होता और कार्यवाही स्थगित होती रही। कुल 6 बार राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसके बावजूद भी हंगामे की स्थिति बनी रही और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।सोमवार को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने राज्यसभा में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले का विषय उठाया। खडगे़ ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। खडगे़ ने पेपर लीक और नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, जबकि देशभर के लाखों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।खडगे़ ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में छात्र अपनी मांगों को लेकर वहां एकत्र हुए हैं। खडगे़ ने कहा कि इन छात्रों के साथ कठोर व्यवहार किया गया। यह लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दा है।

म प्र विधानसभा परिसर में कांग्रेस का किसानों के मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन, उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को विधानसभा परिसर में कांग्रेस विधायक दल ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में किसानों के मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। खाद संकट, सरकारी खरीदी में कथित अनियमितताओं, किसानों को उचित मुआवजा और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिलने के मुद्दे पर कांग्रेस ने राज्य सरकार को घेरा।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के मुखौटे पहनकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। इस दौरान सरकार के खिलाफ किसान विरोधी नीतियों के आरोप लगाते हुए नारेबाजी की गई और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया।नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश का किसान गंभीर संकट से जूझ रहा है, लेकिन सरकार समाधान निकालने के बजाय केवल औपचारिकताओं में उलझी हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध नहीं हो रहे हैं, जिससे खेती प्रभावित हो रही है। सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना किसानों की समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाने में विफल रहे हैं। उनके अनुसार, किसान खाद के लिए लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं, अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का समय पर मुआवजा भी नहीं मिल रहा है।कांग्रेस विधायक दल ने मांग की कि प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, सरकारी खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जाए, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और समयबद्ध मुआवजा दिया जाए। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस विधानसभा से लेकर सड़क तक आंदोलन तेज करेगी और प्रदेशव्यापी जनआंदोलन चलाएगी।

बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए, तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत : राहुल गांधी

नई दिल्ली(आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान उग्र प्रदर्शनकारियों व दिल्ली पुलिस सहित अन्य सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प की निंदा की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हो रहे गंभीर मुद्दों को लेकर जायज सवाल उठाने वाले छात्रों को जवाब में केवल लाठियां और हिरासत मिली। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक वीडियो संदेश में तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री को भारत के इतिहास का सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री बताया। राहुल गांधी ने कहा, इतने युवा-विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

- प्रदेश में मानसूनी सीजन में अब तक सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी बनी हुई है। प्रदेश के करीब 90 प्रतिशत हिस्से में 23 जुलाई तक हल्की बारिश का दौर जारी रहेगा। इस दौरान 4 से 5 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। आज सोमवार को दमोह, मंडला और डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि भोपाल और इंदौर सहित 47 जिलों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है।मौसम विभाग का कहना है कि जुलाई के पिछले 12 दिनों से प्रदेश में कहीं भी व्यापक स्तर पर भारी बारिश नहीं हुई है। इसका असर प्रदेश की कुल वर्षा पर साफ दिखाई दे रहा है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। अब तक प्रदेश में 261.4 मिमी (10.3 इंच) वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश 311.8 मिमी (12.3 इंच) होनी चाहिए थी। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 23 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है, जबकि पश्चिमी हिस्से में भी वर्षा सामान्य से 10 प्रतिशत कम रही है।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

सोमवार को दमोह, मंडला और डिंडौरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में गरज-चमक, तेज हवा और हल्की बारिश की संभावना है। वहीं नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन और आगर-मालवा में बादल छाए रहने के आसार हैं, लेकिन इन जिलों के लिए बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। प्रदेश में अब तक 39 जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है, जबकि 16 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

'कॉकरोच' पर टूट पड़ी दिल्ली पुलिस की लाठी, जंतर-मंतर पर पीटे गए प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली(ए.)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया है। पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से संसद की तरफ जाने से रोक दिया है। तमाम रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी संसद भवन की तरफ बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने उनको खदेड़ा और उन पर लाठीचार्ज किया।दरअसल, सुबह के समय प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा रोकने पर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कुछ मीडिया रिपोर्टों में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और हिरासत में लिए जाने के दावे किए गए हैं, जबकि पुलिस ने इन दावों से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली क्षेत्र में पहले से ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी, जिसके चलते पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध था। संसद की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई और बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए।कुछ प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा पार कर आगे बढ़ने में सफल रहे, जबकि कई अन्य को पुलिस ने मौके पर रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी खबरें सामने आई हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि प्रदर्शन को पेशेवर तरीके से नियंत्रित किया जा रहा है और किसी प्रकार के बल प्रयोग की बात सही नहीं है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।इसी बीच प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बातचीत शुरू होने की भी जानकारी सामने आई है।

गुरु पूर्णिमा पर प्रदेश में मनाया जाएगा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महर्षि सांदीपनि के जीवन चरित्र एवं योगदान पर लघु पुस्तिका प्रकाशित करने के दिए निर्देश

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुरुजन सदैव पूजनीय है, वंदनीय हैं। गुरु ही हमें गु (अज्ञान के अंधकार) से रु (ज्ञान-विज्ञान की रश्मि/प्रकाश) की ओर ले जाते हैं। गुरु पूर्णिमा अपने गुरुजनों की सेवा, वंदना और उनका आशीर्वाद पाने का प्रमुख उत्सव है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के उद्देश्यों को बढ़ावा देते हुए पुरातन भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भारतीय गुरु-शिष्य परम्परा के आदर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा पर प्रदेशव्यापी महर्षि सांदीपनि श्रृद्धा पर्व का आयोजन किया जाये। इसमें स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के साथ-साथ निजी शिक्षण संस्थानों तथा खेल, नाटक, चित्रकला, संगीत एवं अन्य कला संस्थानों की भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवारको मध्यप्रदेश विधानसभा के समिति कक्ष क्रमांक-1 में आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी प्रदेश में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा चल रहा है। प्रदेश में जितने भी सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण होना शेष है, उनका लोकार्पण गुरु पूर्णिमा से पहले करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि सांदीपनि योगेश्वर

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु थे। उन्होंने तत्समय अमीर और गरीब सभी छात्रों को विद्या दान देकर राष्ट्र भक्ति का परिचय दिया। वहीं देश में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को व्यवस्थित करने में प्रभावी योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महर्षि सांदीपनि के जीवन चरित्र एवं गुरुकुल शिक्षा पद्धति के प्रसार में उनके वैशिष्ट्य और योगदान पर केंद्रित एक लघु पुस्तिका का प्रकाशन करायें और सभी विद्यालयों में वितरित करायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में गुरू-पूजन आयोजन किया जाये। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष विद्यालयों में मनाये जाने वाले मित्रता दिवस पर श्रीकृष्ण-सुदामा के जीवन चरित्र के बारे में बताया जाये।

गुरू पूर्णिमा को जनभागीदारी का उत्सव बनाये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व को जनभागीदारी का उत्सव बनाया जाए, जिससे विद्यार्थियों और युवाओं में अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था सुदृढ़ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के साथ-साथ निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को भी इस आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा को सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए, ताकि गुरु-शिष्य परम्परा का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और इसे नई पीढ़ी तक सशक्त रूप से पहुंचाया जा सके। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, कार्यक्रमों के स्वरूप तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को विधानसभा में इंदौर की स्व.श्रीमती उर्मिला सैनी की पुत्री सुश्री प्रेक्षा सैनी और परिजनों को ढाँढस बँधाया।

भोपाल में हंसाएंगे स्टैंड-अप कॉमेडियन रवि गुप्ता:26 जुलाई को रविंद्र भवन में होगा कल की चिंता नहीं करता शो; टिकट बुकिंग शुरू

भोपाल, (निप्र.)। रोजमर्रा की भागदौड़ के बीच हंसी के कुछ पल तलाश रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। स्टैंड-अप कॉमेडियन रवि गुप्ता अपने इंडिया टूर कल की चिंता नहीं करता के तहत 26 जुलाई को भोपाल आ रहे हैं। उनका लाइव शो रविंद्र भवन में आयोजित होगा, जहां वे अपने ऑब्जर्वेशनल ह्यूमर से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।पिछले कुछ सालों में रवि गुप्ता ने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। आम भारतीय परिवारों, छोटे शहरों की जिंदगी, रिश्तों, सामाजिक व्यवहार, कॉर्पोरेट नौकरी और रोजमर्रा की घटनाओं को वे सरल और मजेदार अंदाज में मंच पर पेश करते हैं। यही वजह है कि उनके वीडियो सोशल मीडिया पर करोड़ों बार देखे जा चुके हैं और देशभर में उनके लाइव शो लगातार हाउसफुल रहते हैं। कल की चिंता नहीं करता शो में रवि गुप्ता अपने चर्चित ऑब्जर्वेशनल ह्यूमर के साथ भोपाल के दर्शकों के बीच होंगे।

भोपाल में ई-बसों का ट्रायल शुरू बैरागढ़ से तीन रूट पर दौड़ी; अगले 5 दिन तक चलेगी

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल में ई-बसों का ट्रायल रन शुरू हो गया है। सोमवार सुबह से बैरागढ़ स्थित डिपो से ई-बसें निकली और 3 रूट पर दौड़ने लगी। अगले 5 दिन तक बसें सड़कों पर दौड़ेगी। अगस्त में आम लोगों के लिए बसें चलने लगेगी। एक दिन पहले रविवार को जगदीशपुर में हुई कैबिनेट में इन्हीं 3 ई-बसों के जरिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री और सीनियर अधिकारी पहुंचे थे।ट्रायल के दौरान बसों के संचालन, रूट की व्यवहारिकता, चार्जिंग व्यवस्था और तकनीकी खामियों की जांच की जा रही है। यह ड्राय रन होने से यात्रियों के लिए सफर की मनाही है। हालांकि, पार्षदों को बैठाकर ट्रायल रन में शामिल किया जाएगा। ट्रायल के दौरान बसों का संचालन दो शिफ्ट में

किया जा रहा है। पहली शिफ्ट सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक रही। दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक रहेगी। इलेक्ट्रिक बसें बैरागढ़ डिपो से पुराने भोपाल होते हुए बोर्ड ऑफिस तक ले जाया जा रहा है। यहां से बसें भोपाल रेलवे स्टेशन(प्लेटफॉर्म नंबर-1) और कोलार के बैरागढ़ चीचली रूट तक चलेंगी।

ट्रायल के दौरान इन मार्गों पर बस संचालन में आने वाली दिक्कतों और यातायात दबाव का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार भोपाल में अब तक 21 इलेक्ट्रिक बसें पहुंच चुकी हैं। अगले 10 से 12 दिन में 20 और नई बसें आने की उम्मीद है। इसके बाद शहर में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा और बढ़ जाएगा। बसों के संचालन के लिए बैरागढ़ डिपो में चार्जिंग व्यवस्था भी तैयार कर ली गई है। यहां 11 चार्जर पाइंट लगाए जा चुके हैं। ताकि, नियमित संचालन शुरू होने के बाद बसों को चार्जिंग की समस्या का सामना न करना पड़े।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और जनहित से जुड़े मुद्दे सुने।मुलाकात के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। सिलावट ने संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन प्रकरणों का मौके पर समाधान संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई और शीघ्र निस्तारण के लिए भेजा गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि प्राप्त सभी आवेदनों और शिकायतों पर संबंधित विभागों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास संबंधी सुझाव भी मंत्री के समक्ष रखे।

दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026

1.06 करोड़ रुपये से अधिक की नगदी और सामग्री जब्त

भोपाल, (निप्र.)। दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026 को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। अब तक कुल 1 करोड़ 6 लाख 37 हजार 702 रुपये से अधिक मूल्य की नगदी, अवैध शराब एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वॉड टीम), एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) एवं अन्य जांच दलों द्वारा अब तक 85 लाख 82 हजार 400 रुपये की नगद राशि जब्त की गई है। इसके अलावा कार्रवाई के दौरान 15 हजार 556 लीटर शराब भी जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 19 लाख 49 हजार 302 रुपये आंकी गई है। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए निगरानी दलों द्वारा जिले में लगातार जांच एवं कार्रवाई जारी है।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा

गुरु वंदना, भजन और संस्कृत श्लोकों से गूंजे प्रदेश के 3,205 शासकीय विद्यालय

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अवसर पर प्रदेश के 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने संस्कृत भारतीय संस्कृति का जाना महत्व

भोपाल (ए.)। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का आयोजन किया गया जा रहा है।

विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, नैतिक मूल्यों एवं गुरु के प्रति आदर की भावना से जोड़ने के साथ-साथ विद्यालयों में संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के

सभी विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसके तहत विद्यालयों में संस्कृत श्लोक वाचन, गुरु वंदना एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने संस्कृत श्लोकों का वाचन, गुरु वंदना एवं भजनों की प्रस्तुतियां दीं। प्रदेश के 3 हजार 205 शासकीय विद्यालयों के 2 लाख 10 हजार 999 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की और भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व जाना। सभी विद्यार्थियों ने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त किया।

निजी सुरक्षा एजेंसियों के लाइसेंस और चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया में तेजी के निर्देश

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में निजी सुरक्षा एजेंसियों के लाइसेंस एवं नवीनीकरण से संबंधित आवेदनों के त्वरित निराकरण तथा चरित्र सत्यापन

की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाने के लिए गृह विभाग ने पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गृह विभाग की सचिव कृष्णावेणी देसावतु ने सोमवार को बताया कि प्राइवेट सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत नए लाइसेंस के लिए प्राप्त आवेदनों का निराकरण निर्धारित 60 दिवस की समय-सीमा में तथा लाइसेंस नवीनीकरण के आवेदनों का निराकरण 30 दिवस की समय-सीमा में किया जाना है। इसी प्रकार, जांच उपरांत प्रतिवेदन 15 दिवस के भीतर संबंधित कार्यालय को भेजे जाने के निर्देश हैं।उन्होंने बताया कि निजी सुरक्षा एजेंसियों से संबंधित आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब को रोकने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

परिसर स्थित शासकीय कार्यालयों को 10 अगस्त तक अन्यत्र शिफ्ट कराएं - संभागायुक्त श्री शर्मा

पुराने सचिवालय (ओल्ड सेक्रेटिएट) परिसर के री-डेंसिफिकेशन के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

भोपाल,(निप्र) । संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि पुराने सचिवालय (ओल्ड सेक्रेटिएट)

परिसर स्थित शासकीय कार्यालयों को 10 अगस्त तक अन्यत्र शिफ्ट कराएं। संभाग आयुक्त ने सोमवार को पुराने सचिवालय (ओल्ड सेक्रेटिएट) परिसर के री-डेंसिफिकेशन के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, डीआईजी देहात राजेश सिंह चंदेल,एडीएम पी.सी. शाक्य सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में ओल्ड सेक्रेटिएट परिसर के अंतर्गत सभी शासकीय कार्यालय की शिफ्टिंग के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट कार्यालय का अभिलेखागार, परिसर का अधिवक्ता हॉल, न्यायालय, पुलिस महानिरीक्षक, सायबर सेल सहित अन्य कार्यालयों को 10 अगस्त तक शिफ्टिंग करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास, कृषि, श्रम, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय शिफ्ट किए जा चुके हैं। तहसील हुजूर, तहसील बैरागढ़ शहर को नये भवन में शीघ्र अति शीघ्र शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए गए।

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने किया वन्यजीव तस्करी गिरोह का 8वां आरोपी गिरफ्तार

- संरक्षित दुर्लभ प्रवासी पक्षियों की तस्करी का आरोप

भोपाल,(निप्र) । मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की इंदौर इकाई ने विगत तीन वर्ष से फरार चल रहे संगठित वन्यजीव तस्करी गिरोह के 8वें आरोपी को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने सोमवार को बताया कि अहमदाबाद (गुजरात) निवासी आरोपित आशीष, पिता विनोद 19 जुलाई 2026 को मुखबिर से प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित को विशेष न्यायालय, इंदौर की अनुमति पर फॉरेस्ट रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। इस मामले में 20 मई 2023 को वन अपराध प्रकरण दर्ज कर सात आरोपितों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका था।उललेखनीय है कि एसटीएसएफ, इंदौर ने मई 2023 में वन्यजीवों के अवैध व्यापार में संलिप्त एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया था।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सोमवार को आदेश जारी किया गया है।जारी आदेश के अनुसार, समिति में अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास/जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल के अलावा भार-साधक सचिव सामान्य प्रशासन, वित्त और विधि एवं विधायी सदस्य होंगे।आदेश के अनुसार विषय से संबंधित भारसाधक सचिव समिति में सदस्य एवं प्रस्तुतकर्ता होंगे। विधायी प्रस्तावों के परीक्षण के लिए भारसाधक सचिव, संसदीय कार्य विभाग, अतिरिक्त रूप से समिति के सदस्य होंगे। नीतिगत मामले एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यकता होने पर एक या अधिक भारसाधक सचिव, विशेष रूप से आमंत्रित किये जा सकेंगे। समिति के कार्यक्षेत्र में विस्तार अनुसार विधायी प्रस्तावों का परीक्षण, नीतिगत मामले तथा अन्य महत्वपूर्ण विषय जो मुख्यमंत्री अथवा मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किए गये हो प्रस्तुत किये जा सकेंगे।

मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग ने की वृहद जनसुनवाई, सुलझाए 28 गंभीर मामले

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और पारिवारिक विवादों के निपटारे की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए सोमवार को राजधानी भोपाल में एक वृहद जनसुनवाई का आयोजन किया।जनसुनवाई के दौरान आयोग के समक्ष आए कुल 28 गंभीर मामलों की सुनवाई करते हुए कई परिवारों को टूटने से बचाया गया, तो वहीं कुछ जटिल मामलों में कड़े निर्देश भी जारी किए गए। इस उच्च स्तरीय जनसुनवाई में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक एवं सचिव सुरेश तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहे।जनसुनवाई के दौरान आयोग के सामने घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर प्रताड़ना, गंभीर पारिवारिक विवाद और वर्तमान समय में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों से जुड़े मामले प्रमुखता से आए। आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें और पक्ष अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुने। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश और त्वरित कानूनी कार्यवाही के आदेश दिए गए।इस जनसुनवाई में आयोग का मानवीय और मार्गदर्शक चेहरा भी सामने आया। एक पारिवारिक विवाद के मामले में, जहां आवेदिका ने अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, आयोग की बेंच ने दोनों पक्षों की गहन काउंसलिंग की। विस्तृत चर्चा और समझाइश के बाद पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया और महिला ने खुशी-खुशी अपनी शिकायत वापस ले ली। वहीं एक अन्य मामले में, जहां पत्नी पति के साथ रहने को तैयार थी लेकिन पति विभिन्न आरोप लगाकर मना कर रहा था, आयोग ने दोनों को आपसी संवाद के जरिए मतभेद सुलझाने की सलाह देते हुए मामले में उचित कानूनी रुख अपनाने के निर्देश दिए।

भोपाल में नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई जारी, कई क्षेत्रों से ठेले-काउंटर और अवैध कब्जे हटाए

भोपाल(निप्र)। भोपाल नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के विरुद्ध सोमवार को व्यापक अभियान चलाते हुए विभिन्न क्षेत्रों से अवैध कब्जे हटाए। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माण रुकवाने के साथ ही ठेले, काउंटर, स्टैंड बोर्ड सहित अन्य सामग्री जब्त की गई।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्तों ने सीएम हेल्पलाइन, कॉल सेंटर और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के साथ नियमित अभियान के तहत कटारा हिल्स, कोलार, प्रियंका नगर, आम्रविहार फेस-3, फाइन एवेन्यू फेस-1, गुड शेफर्ड कॉलोनी, दानिश कुंज, डी-मार्ट क्षेत्र, ललिता नगर, सर्वधर्म, मंदाकिनी चौराहा, नेहरू नगर, पीएंडटी चौराहा, कोटरा सुल्तानाबाद, भदभदा चौराहा, सूरज नगर, गौरेगांव, लिंक रोड क्रमांक-1, 2 और 3, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, एमपी नगर, जहांगीराबाद, कमला पार्क, रेतघाट, रविंद्र भवन, अयोध्या बायपास, भानपुर, सिंधी कॉलोनी, भोपाल गेट, गोलघर, हमीदिया गेट, स्टेट बैंक चौराहा, ईदगाह हिल्स, सेमरा एकतापुरी, अशोका गार्डन और पुष्पा नगर सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की।अभियान के दौरान कटारा हिल्स में एक मकान का अवैध निर्माण कार्य रुकवाया गया। वहीं भानपुर खेजड़ा गांव में बांस-बल्ली लगाकर बंद किए गए रास्ते को खुलवाया गया। प्रियंका नगर में मकान के बाहर लगी अवैध किचन गार्डन की जाली हटाई गई, जबकि आम्रविहार फेस-3 और गुड शेफर्ड कॉलोनी से सड़क पर रखा निर्माण सामग्री हटवाया गया।सेमरा एकतापुरी में चार मकानों के सामने नालियों पर रखी गई अवैध फर्शियां हटाई गईं।

नेहरू नगर से पीएंडटी चौराहे तक अभियान चलाकर यातायात में बाधा बन रहे 25 चारपहिया और 50 दोपहिया वाहनों को हटवाया गया। इसी तरह मैदामिल जीवन मोटर्स क्षेत्र से 50 तथा अशोका गार्डन भारती निकेतन क्षेत्र से 10 चारपहिया वाहन हटाए गए।

नगर निगम के अमले ने विभिन्न स्थानों पर फुटपाथों पर लगी कपड़े, फल और सब्जी की दुकानों, दुकानों के बाहर रखे सामान, ठेलों, गुमटियों, पान पार्लरों, काउंटर, बोर्ड, टेबल, कुर्सियों और अन्य अस्थायी अतिक्रमणों को भी हटाया। कार्रवाई के दौरान आठ ठेले, एक लोहे का बड़ा काउंटर और तीन स्टैंड बोर्ड जब्त किए गए।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जबलपुर में भारी हंगामे के बीच जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव रद्द

जबलपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव सोमवार को भारी हंगामे और अव्यवस्था के चलते रद्द कर दिए गए। मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही निर्वाचन स्थल पर बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे पूरे परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। देखते ही देखते माहौल गरमा गया और चुनावी गतिविधियां प्रभावित होने लगीं। इस घटनाक्रम को लेकर बार परिसर और न्यायालयीन क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है। कई अधिवक्ताओं ने चुनावी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं, जबकि कुछ ने शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव कराने की आवश्यकता पर जोर दिया है। निर्वाचन समिति ने बताया है कि पूरे घटनाक्रम की समीक्षा के बाद चुनाव के लिए नई तिथियों की घोषणा की जाएगी। फिलहाल अधिवक्ता संघ के सदस्य और प्रत्याशी समिति के अगले निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चुनाव संचालन के लिए की गई व्यवस्थाएं भीड़ और विरोध को नियंत्रित करने में अपर्याप्त साबित हुईं। प्रदर्शनकारियों और चुनाव आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों के बीच विवाद की स्थिति बनने के बाद परिसर में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। हालात बिगड़ते देख चुनाव अधिकारियों ने सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदान प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया। चुनाव रद्द किए जाने की आधिकारिक घोषणा के बाद अधिवक्ताओं और विभिन्न पदों के प्रत्याशियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के दौरान उत्पन्न विवाद और भारी हंगामे के बीच मुख्य चुनाव अधिकारी जीएस ठाकुर ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। चुनाव प्रक्रिया बाधित होने और निर्वाचन स्थल पर बने तनावपूर्ण माहौल के बाद उन्होंने यह निर्णय लिया। जीएस ठाकुर ने कहा कि जिस प्रकार के अशांत और दबावपूर्ण वातावरण में चुनाव कराए जा रहे थे, उसमें निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराना संभव नहीं रह गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिस्थितियों को देखते हुए वे अपनी नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी के पद पर बने नहीं रह सकते।

सुबह से रुक-रुक कर बूंदाबांदी, पिछले 24 घंटे में 0.9 इंच बारिश रिकॉर्ड, पिछड़ी बुआई

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में लगातार दूसरे दिन सोमवार को मानसून सक्रिय है। सुबह से रुक-रुक कर बूंदाबांदी, जबकि दोपहर बाद हल्की तेज रिमझिम बारिश का दौर जारी हैं। दिनभर बादल छाए रहे। गरज-चमक के साथ बिजली भी कड़की। बारिश से किसानों ने राहत महसूस की है, हालांकि जिले में अब तक खरीफ की मात्र 31 प्रतिशत बुआई ही हो पाई है।यह बारिश अनूपपुर सहित जैतहरी, राजेंद्रग्राम, डैखल, फुनगा, कोतमा, बिजुरी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दर्ज की गई। काले बादलों और वर्षा की तीव्रता को देखते हुए रात में भी बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 2.1 मिमी (लगभग 0.09 इंच) वर्षा दर्ज की गई है। वर्षामापी केंद्रों के अनुसार, कोतमा में 5 मिमी, बिजुरी में 6 मिमी, पुष्पराजगढ़ में 2.3 मिमी, अमरकंटक में 1 मिमी और बेनीबारी में 2.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।ग्राम पिपरिया के किसानों राजू पटेल ने बताया कि इस प्रकार की रिमझिम बारिश जमीन में गहराई तक नमी बनाती है, जो धान की पहले से बुवाई कर चुके किसानों और बुआई की तैयारी कर रहे किसानों दोनों के लिए फायदेमंद है।

शहर में शराब के अवैध निर्माण, भण्डारण व विक्रय के खिलाफ विशेष मुहिम जारी

कलेक्टर के निर्देश पर गए आबकारी विभाग के दल ने विभिन्न बस्तियों में किया निरीक्षण

ग्वालियर (आरएनएस),। ग्वालियर शहर सहित सम्पूर्ण जिले में शराब के अवैध निर्माण, भण्डारण एवं विक्रय के खिलाफ कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर अभियान बतौर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लगातार कार्रवाई करने के निर्देश आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। इस कड़ी में सोमवार को आबकारी विभाग के दल ने ग्वालियर शहर में खासतौर पर स्कूलों के समीप की बस्तियों में निरीक्षण अभियान चलाया।आबकारी विभाग के दल द्वारा शहर में जिन स्कूलों के समीप की बस्तियों में विशेष जांच की गई, उनमें ड्रीम इंडिया स्कूल, संस्कार वैली स्कूल, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, नोबल माइंड इंटरनेशनल स्कूल, सांदीपनि पटेल स्कूल व आईटीएम यूनिवर्सिटी के नजदीक स्थित बस्तियां शामिल हैं। इसके अलावा पटेल ढाबा सिरोल रोड सहित शहर की अन्य बस्तियों के संदिग्ध घरों में तलाशी ली गई।इस दौरान जहां-जहां शराब से संबंधित अवैध गतिविधियां पाई गईं उनसे संबंधित आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए।

विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक कौशल का मिला प्रशिक्षण

जबलपुर(ए)। मानसून पूर्व तैनाती के तहत 11वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम द्वारा नगर निगम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमांडिंग ऑफिसर अनूप सिंह बिष्ट के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक रेखा कुमारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करना तथा प्राथमिक उपचार व सीपीआर जैसे जीवन रक्षक कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। एनडीआरएफ की टीम ने आपातकालीन निकासी और बचाव तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र पांडेय सहित विद्यालय स्टाफ और एनडीआरएफ के बचावकर्मी उपस्थित रहे।

शराब के अवैध निर्माण, भण्डारण व विक्रय के खिलाफ विशेष मुहिम जारी

ग्वालियर,(ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में शराब के अवैध निर्माण, भण्डारण एवं विक्रय के खिलाफ कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर अभियान बतौर कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में सोमवार को आबकारी विभाग के दल ने ग्वालियर शहर में खासतौर पर स्कूलों के समीप की बस्तियों में निरीक्षण अभियान चलाया।आबकारी विभाग के दल द्वारा शहर में जिन स्कूलों के समीप की बस्तियों में विशेष जांच की गई, उनमें ड्रीम इंडिया स्कूल, संस्कार वैली स्कूल, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, नोबल माइंड इंटरनेशनल स्कूल, सांदीपनि पटेल स्कूल व आईटीएम यूनिवर्सिटी के नजदीक स्थित बस्तियां शामिल हैं। इसके अलावा पटेल ढाबा सिरोल रोड सहित शहर की अन्य बस्तियों के संदिग्ध घरों में तलाशी ली गई। इस दौरान जहां-जहां शराब से संबंधित अवैध गतिविधियां पाई गईं उनसे संबंधित आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए।

भारतीय योग संस्थान के साधक,सामूहिक योग साधना करके संस्थान का स्मृति दिवस मनाएंगे

ग्वालियर (ए.)। भारतीय योग संस्थान, मध्यप्रदेश प्रान्त के जिला ग्वालियर दक्षिण के वैष्णवी नगर क्षेत्र के सनवैली केन्द्र पर आज प्रांतीय प्रधान एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मण सिंह परिहार का आगमन हुआ, केन्द्र प्रमुख सुदीप नागर,उपकेंद्र प्रमुख सतनाम कौर, योग मंजरी विस्तारक हेमलता नागरानी, क्षेत्रीय विस्तारक जी एस छावड़ा, के आर टॉपरे एवं सप्तऋषि बृजमोहन गुप्ता ने क्रमशः योग आसन वा प्राणायाम का अभ्यास कराया, प्रांतीय प्रधान ने सहज़ ध्यान का अभ्यास कराते हुए साधकों को आनंददायी स्थिति में ला दिया उन्होंने कार्यकर्ताओं द्वारा आसन, प्राणायाम का अभ्यास कराते समय ध्यान रखने वाली छोटी छोटी बातों के लिए उचित मार्गदर्शन दिया, साधना विश्राम के बाद अपने प्रेरणादायक उदभोदन में प्रांतीय प्रधान ने कहा ये ईश्वर की अनुकम्पा है कि आपको ऐसे संस्थान से जोड़ दिया जिसके माध्यम से आप अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैँ और निष्काम सेवा के भाव को जागृत कर अपना जीवन रूपांतरण कर सकते, उन्होंने कहा यदि आप सायंकालीन भोजन सूर्यास्त से पहले सायं 06 से 07 के मध्य कर लें, और एक घंटे का समय देकर संस्थान के केन्द्र पर आ जाएँ तो इससे आप अपने अनेकों शारीरिक वा मानसिक कष्टों से मुक्त हो सकते हैं।

आज की साधना में जिला संगठन मंत्री रेखा गुप्ता , क्षेत्रीय प्रधान प्रतिभा चौहान, मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल, क्षेत्रीय मंत्री विजय धाकड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

अब एलपीजी की होगी छुट्टी और एथेनॉल पर बनेगा खाना, सरकार ला रही सब्सिडी स्कीम

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में केंद्र सरकार एक नई पहल पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ऐसी नीति तैयार कर रहा है जिसके तहत घरेलू रसोई में एथेनॉल आधारित कुकिंग सिस्टम को बढ़ावा दिया जा सकता है। यदि योजना को मंजूरी मिलती है, तो आने वाले वर्षों में एथेनॉल एलपीजी और पीएनजी के पूरक ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित नीति में एथेनॉल की उपलब्धता बढ़ाने, वितरण व्यवस्था विकसित करने और उपभोक्ताओं को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने जैसे प्रावधान शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि सरकार इस दिशा में विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि एथेनॉल आधारित कुकिंग सिस्टम अपनाने से देश का आयातित एलपीजी पर दबाव कम हो सकता है। साथ ही, गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से बनने वाले एथेनॉल के उपयोग से किसानों और जैव-ईंधन उद्योग को भी लाभ मिलने की संभावना है।

ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, भारत की एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है और घरेलू मांग से अधिक उत्पादन होने की स्थिति में इसका उपयोग नए क्षेत्रों में किया जा सकता है। सरकार पहले ही परिवहन क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा दे रही है और अब घरेलू उपयोग के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियां एथेनॉल आधारित कुकिंग स्टोव और उससे जुड़े सुरक्षा मानकों पर परीक्षण और अनुसंधान कर रही हैं। भविष्य में यदि यह योजना लागू होती है तो पेट्रोल पंपों या अन्य अधिकृत केंद्रों के माध्यम से एथेनॉल की खुदरा उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी विकसित की जा सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से भी इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वैश्विक बाजार में ईंधन की कीमतों और आपूर्ति में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार घरेलू स्तर पर वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि, मंत्रालय की ओर से अभी तक इस प्रस्तावित नीति की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही इसके स्वरूप, समयसीमा और लागू करने की प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

भारत में बढ़ेगा एनआरआई डिपॉजिट का प्रवाह, वर्ष 27 में जमा वृद्धि 15% तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में गैर-निवासी भारतीय (एनआरआई) और एफसीएनआर-बी इनफ्लो से बैंक डिपॉजिट की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 15 प्रतिशत पहुंच सकती है। हालांकि, इस दौरान क्रेडिट वृद्धि दर भी मजबूत रहेगी। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि अभी तक एफसीएनआर-बी डिपॉजिट के जरिए अब तक करीब 13-14 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जिससे चालू वित्त वर्ष में देश के बैंकों का डिपॉजिट आधार मजबूत हुआ है।हालांकि, इस दौरान की वित्त वर्ष 23 से जारी ट्रेंड के मुताबिक क्रेडिट वृद्धि दर डिपॉजिट से अधिक रहेगी।30 जून को खत्म हुए पखवाड़े में, बैंक क्रेडिट में सालाना आधार पर 18.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल डिपॉजिट राशि में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे क्रेडिट-डिपॉजिट का अंतर बढ़कर 5.3 प्रतिशत अंक हो गया।

विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता घटाने की तैयारी, भारत तेज करेगा डीप वाटर पोर्ट परियोजनाएं

नई दिल्ली (आरएनएस),। भारत प्रमुख बंदरगाहों के अपग्रेड और नए गहरे समुद्री टर्मिनलों के निर्माण में तेजी ला रहा है, ताकि वर्तमान में कोलंबो और सिंगापुर के जरिए होने वाले ट्रांसशिपमेंट यातायात को अपने यहां आकर्षित किया जा सके। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई। इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार चेन्नई के निकट एन्नोर स्थित कामराजर बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप बंदरगाह और कच्छ के दीनदयाल बंदरगाह सहित कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट (जल की गहराई) को 14 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर कर रही है, ताकि वे बड़े मदर वेसल (मुख्य मालवाहक जहाज) को संभाल सकें।दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज (मदर वेसल) एमएससी इरिना के केरल के विझिंजम बंदरगाह पहुंचने को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली सरकारों ने भारत के प्रमुख बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित करने की अनदेखी की। ऐसे हब इसलिए जरूरी हैं क्योंकि यहां 14,000 से 24,000 टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता वाले मदर वेसल ठहर सकते हैं।

भारत का जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर चमका, जून में निर्यात 26 फीसदी से ज्यादा बढ़ा

नई दिल्ली ,(आरएनएस),। भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात जून में सालाना आधार पर 26.5 प्रतिशत बढ़कर 2.21 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी इंडस्ट्री डेटा में दी गई।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में निर्यात बढ़कर 6.61 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 0.04 प्रतिशत अधिक है।

जून 2026 में कुल आयात 10.06 प्रतिशत बढ़कर 1.72 अरब डॉलर आयात रहा, जबकि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसमें 5.9 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4.97 अरब डॉलर रह गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात में यह सकारात्मक बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि यह सेक्टर लंबे समय से वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पिछली कुछ तिमाही में निर्यात में भी कमी आई थी।जून में कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 84.67 करोड़ डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 77.88 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अप्रैल-जून की अवधि में इस कैटेगरी का निर्यात 4.1 प्रतिशत घटकर 2.72 करोड़ डॉलर रह गया। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.9 प्रतिशत बढ़कर 39.8 लाख कैरेट हो गया। इस अवधि में प्रति कैरेट औसत मूल्य 681.7 डॉलर रहा। यह रुझान अंतरराष्ट्रीय बाजार में हीरे के आभूषणों की मांग में फिर से तेजी आने का संकेत देता है। साथ ही, आने वाले हॉलिडे सीजन में बिक्री बेहतर रहने की उम्मीद और व्यापार के लिए घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) की तुलना में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) को अधिक प्राथमिकता मिलने की ओर भी इशारा करता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि यह सकारात्मक रुझान आगे अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में और मजबूत हो सकता है।जून 2026 में अपरिष्कृत हीरों का सकल आयात 70.03 करोड़ डॉलर रहा, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह सालाना आधार पर 32.4 प्रतिशत घट गया।

देश के नौ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में 5.0 फीसदी पर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) के उत्पादन की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच माह के उच्चतम स्तर 5 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले महीने मई में यह दर 3.2 फीसदी रही थी। पिछले साल जून में बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि 1.1 फीसदी थी।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही है। देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) के आंकड़े 2011-12 के स्थान पर 2022-23 को आधार वर्ष मानकर जारी किए गए हैं। सरकार ने सूचकांक में लौह अयस्क को शामिल किया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या अब बढ़कर नौ हो गई है। आंकड़ों के अनुसार जून महीने में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। सीमेंट और बिजली के उत्पादन में 9.8-9.8 फीसदी तथा नई श्रृंखला के तहत सूचकांक में शामिल किए गए लौह अयस्क के उत्पादन में 43.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक नए वर्गीकरण में लौह अयस्क को पहली बार शामिल किया गया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है।

ईवी सेक्टर में हुंडई की बड़ी पहल, देशभर में 30,000 चार्जिंग पॉइंट्स का नेटवर्क

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने सोमवार को घोषणा की कि अब इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उपयोगकर्ता उसके माई हुंडई ऐप के माध्यम से देशभर में 30,000 से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स तक पहुंच बना सकेंगे। इसके साथ ही, एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भारत के सबसे बड़े एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क में से एक का लाभ ग्राहकों को मिलेगा।

कंपनी ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म प्रमुख चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) और सेवा प्रदाताओं के सहयोग से विकसित किया गया है तथा यह सभी ब्रांडों के इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए उपलब्ध है।

नजदीकी चार्जिंग स्टेशन खोजने के अलावा, माई हुंडई ऐप के जरिए उपयोगकर्ता चार्जिंग स्टेशन तक नेविगेट कर सकते हैं, पहले से चार्जिंग स्लॉट बुक कर सकते हैं और एकीकृत इंटरफेस के माध्यम से डिजिटल भुगतान भी कर सकते हैं।

एचएमआईएल ने कहा कि यह एकीकृत नेटवर्क देशभर में औसतन 25 किलोमीटर के दायरे में चार्जिंग सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराता है। इसमें दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर, मुंबई-पुणे-बेंगलुरु, मुंबई-रत्नागिरी-गोवा, चेन्नई-वेल्लोर-बेंगलुरु और हैदराबाद-कर्नूल-बेंगलुरु जैसे प्रमुख राजमार्ग कॉरिडोर भी शामिल हैं।

एचएमआईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में चार्जिंग अवसंरचना एक महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने कहा, माई हुंडई ऐप पर 30,000 से अधिक चार्जिंग प्वाइंट्स को एकीकृत कर हम ईवी उपयोगकर्ताओं को एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत के सबसे बड़े चार्जिंग नेटवर्क में से एक तक पहुंच उपलब्ध करा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्लेटफॉर्म सभी ब्रांडों के ईवी मालिकों के लिए खुला है, जो भारत के व्यापक इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम के विकास के प्रति एचएमआईएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

इसके अलावा, कंपनी ने वर्ष 2030 तक अपने स्वामित्व वाले डीसी फास्ट पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करने की योजना की भी घोषणा की। इसके तहत मौजूदा 183 स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर 600 की जाएगी।

सम्पादकीय

**अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य**

गंभीर कमियां उजागर

संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां उजागर होने लगती हैं।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में रोजगार की स्थिति पर राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) की ताजा रिपोर्ट चमकती हेडलाइन के लिए मसाला तो देती है, लेकिन उसके अंदर उतरते ही कड़वी हकीकतों से सामना होने लगता है। सिर्फ सार-संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में महिलाओं सहित कामकाजी उम्र के सभी व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां जाहिर होने लगती हैं। मसलन, यह उत्साह से बताया गया है कि बड़े शहरों में 55 फीसदी से अधिक श्रमिक अब नियमित वेतनभोगी हैं। मगर रिपोर्ट में यह तथ्य भी मौजूद है कि इनमें बहुत बड़ा हिस्सा वैसी नियमित नौकरियों का है, जिनमें पीएफ, पेंशन, सवैतनिक अवकाश, या स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षाएं नहीं मिलतीं। गिग कर्मियों की बढ़ती संख्या को रोजगार वृद्धि बताया गया है, जबकि ऐसे कर्मियों को किसी तरह के श्रम अधिकार या जॉब सिक्योरिटी हासिल नहीं हैं।

महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ कर 27.2 फीसदी होने का दावा भी विवादास्पद है, क्योंकि खुद रिपोर्ट मानती है कि कामकाजी महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा आज भी कम या शून्य वेतन वाले घरेलू कार्यों या असंगठित मैन्युफैक्चरिंग में लगा हुआ है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काफी कम वेतन मिलता है, यह स्वीकार किया गया है। बेरोजगारी दर गिर कर 4.9 प्रतिशत रह जाने की बात कही गई है, लेकिन अर्ध-रोजगार या योग्यता से कम दर्जे का काम मिलने के व्यापक चलन पर रिपोर्ट चुप है। दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत यह है कि लाखों पोस्ट-ग्रेजुएट और इंजीनियरिंग डिग्री धारक युवा फिलहाल महानगरों में क्लर्क, डिलीवरी बॉय या डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी करने को मजबूर हैं। फिर याद रखना चाहिए कि ये रिपोर्ट मिलियन-प्लस शहरों के बारे में है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की कहानी इसमें शामिल नहीं है, जहां महानगरों की तुलना में काफी कम कमाई होती है। तो एक बार फिर वही कहानी है। रोजगार के मोर्चे पर नीतिगत विफलता को छिपाने के लिए एक रिपोर्ट को इस इस तरह लिखा गया है, जिससे लोग 'फील-गुड' महसूस करें।

सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

-विनोद कुमार विक्की/

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है। 18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिज़ाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाज़ार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाज़े खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं।

बदलते हिमालय के बीच बदलनी होगी तीर्थयात्रा की संस्कृति

अमरनाथ की राह में खड़ा सबसे बड़ा प्रश्न — प्रकृति या हमारी जिद ?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज़ प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता। अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा

रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है। सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाज़ुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है—ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं। समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए। तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीर्थयात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है। इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है।

अमेरिका ने दुनिया को अपने सपनों में गूंथा

हरिशंकर व्यास

अमेरिका ढाई सौ वर्ष का हुआ। इस शुक्रवार-शनिवार उसके जश्न की कुछ झलकियां टीवी पर देखी। एक परिचित धुन कानों में पड़ी—डोंट स्टॉप बिलीविन बरसों पुराना यह गीत मेरी पचास वर्षों की स्मृतियों को खोल गया। गीत सुन मुझे ब्रूस स्प्रिंगस्टीन की आवाज़ भी याद हो आई। ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने बॉर्न टू रन और बाद में बॉर्न इन द यू.एस.ए. को जिस अंदाज में गया, वह गजब ही था। अचानक समझ आया कि पिछले पचास वर्षों में मैंने अमेरिका को जितना समझा, पढ़ा, और उस पर जितना लिखा उससे कहीं अधिक तो उसके गीतों की जुबानी अमेरिका की यात्रा है।

संयोग है मैं पचास साल से गवाह हूं। मैं जब छोटे से कस्बे भीलवाड़ा से निकलकर दिल्ली के जेएनयू में पहुँचा था, तब मेरे भीतर भी एक दौड़ शुरू हुई थी। दुनिया को जानने की, समझने की, पढ़ने की और अपनी टूटी-फूटी हिंदी में उसे लिखने की। वह आपातकाल का समय था। मेरे लिए जेएनयू की लाइब्रेरी कौतुकता के मेरे डीएनए की मानों पूर्ति थी। विदेशी पत्र-पत्रिकाएं, अखबार, विश्लेषण—जो हाथ लगा, पढ़ता था। उसी से संयोग बना और कुछ ही महिनों में मैंने वैश्विक घटनाओं पर लिखना शुरू किया। 16 दिसंबर 1976 को दैनिक हिंदुस्तान में पहला लेख छपा, वह भी अंतरराष्ट्रीय विषय पर। तब भारत में आपातकाल था। इसलिए हिंदी अखबारों को दुनिया पर लिखा चाहिए था और सुरक्षित भी था। इसलिए सोवियत संघ, अमेरिका, यूरोप और शीतयुद्ध की राजनीति मेरा शगल बनी। कुछ ही महीनों में दिल्ली प्रेस की पत्रिकाओं से लेकर राजेंद्र माथुर के नेतृत्व वाले नई दुनिया में परिक्रमा कॉलम लिखने का मेरा सिलसिला बना, पत्रकारिता की भूमिका बनी।

उन दिनों चालीस, साठ और पचहत्तर रुपए प्रति लेख मिलते थे। आवश्यकता से अधिक। नतीजतन कनॉट प्लेस की सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी से टाइम, द इकोनॉमिस्ट, हिम्मत, ओपिनियन, क्रेस्ट जैसी पत्रिकाएं खरीदता। बगल के प्रिया और चाणक्य सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्में देखता। दुनिया को पढ़ने के साथ-साथ देखने की आदत भी बनी।

वह अमेरिकी राष्ट्रपति जेराल्ड फोर्ड और सोवियत नेता ब्रेज़नेव का समय था। अब ट्रंप और पुतिन का है। 1975-76 का अमेरिका आज भी मेरी स्मृति में बहुत साफ़ है। सैगॉन में अमेरिकी दूतावास की छत से हेलीकॉप्टरों के उड़ान भरने की तब तस्वीरें थीं। राष्ट्रपति निक्सन और वाटरगेट कांड की गूंज थी। 1976 में अमेरिका के दो सौ वर्ष पूरे हुए। उत्सव हुआ, मगर अमेरिका में युद्ध हारने की पीड़ा थी, गहरी निराशा थी। सत्ता पर अविश्वास था और भविष्य को लेकर अनिश्चितता।

उसी दौरान ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का संभवतः पहला बड़ा गीत बॉर्न टू रन सुपरहिट हुआ। वह तब एक पीढ़ी की बेचैनी की आवाज़ था, जो कह रही थी—यहां दम घुट रहा है, कहीं निकल चलो। छोटे शहर से बाहर निकलो। सीमाएं तोड़ो। अपना भविष्य खुद बनाओ। स्प्रिंगस्टीन अमेरिकी मजदूर, छोटे शहरों और अमेरिकी सपने की प्रामाणिक आवाज़ बन गए। वह आवाज़, जो रोनाल्ड रीगन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता को ठेंगा दिखाती रही है। क्योंकि उनकी आवाज़ में अमेरिकी सत्ता नहीं, बल्कि व्यक्ति और नागरिक के सपनों का अमेरिका है। वह अमेरिका, जहां व्यक्ति अपनी मेहनत और प्रतिभा से अपना भविष्य गढ़ता है। खुद अवसर खोजता है, मेहनत से अपने सपनों को साकार बनाता है। फिर 1981 में एक गीत आया -डोंट स्टॉप बिलीविन। जर्नी बैंड के गायक स्टीव पेरी की आवाज़ के इस गीत ने 1981 अमेरिका को ऐसा बांधा कि आज भी वह सर्वाधिक लोकप्रिय है। इसकी शुरुआती पंक्तियां—एक छोटे कस्बे की लड़कीज़ और एक छोटे कस्बे का लड़काज़—सीधे अमेरिकी मानस को छू गई। साधारण परिवार, छोटे शहर पर बड़े सपने।

गीत का संदेश जो टूक यह कि —उम्मीद मत छोड़ो। विश्वास बनाए रखो। मतलब अमेरिका सपनों के लिए, विश्वास के साथ है।तब से अब तक आर्थिक मंदी हो, व्यक्तिगत संकट हो, खेल का मैदान हो या राष्ट्रीय उत्सव—अमेरिका में गीत हर जगह गाया जाता है। ढाई सौवें स्थापना दिवस के समारोह में जब हजारों अमेरिकी इसके अंतिम कोरस तक एक साथ पहुंचे, तो सचमुच लगा कि वे गीत नहीं मात्र नहीं गा रहे थे वे निज विश्वास में देश को अभिव्यक्त कर रहे हैं।

मन में प्रश्न उठा। क्या दुनिया के किसी और देश में ऐसे गीत है, जिसे पूरा समाज अपने साझा सपने की तरह गाता हो? रूस, चीन, ब्रिटेन, पाकिस्तान या भारत—हर देश के पास अपने राष्ट्रगान है, देशभक्ति के गीत हैं, युद्ध के गीत हैं, क्रांति के गीत हैं। लेकिन क्या ऐसे गीत है, जो साधारण नागरिक से इतना भर कहे—सपने देखो, हार मत मानो, आगे बढ़ो, विश्वास रखों?

यही अमेरिका और बाकी दुनिया के बीच का सबसे बड़ा अंतर है। अधिकांश देशों ने अपने नागरिकों को इतिहास, धर्म, राजसत्ता, जातीय गौरव या राष्ट्रीय अस्मिता के आधार पर जोड़ा या बनाया। मगर अमेरिका ने वेयक्तित, निज सपनों से देश गढ़ा। अमेरिका में जो रहा है, जो हुआ या होगा, उसमें निज मनुष्य के सपनों की पहली भूमिका है फिर संविधान, प्रशासन, राष्ट्रपति की है। डोनाल्ड ट्रंप हों या इलॉन मस्क, कमला हैरिस हों या सुंदर पिचाई—सबकी कहानियों का आरंभ एक ही जगह से होता है—वह स्वतंत्र मनुष्य के सपने से है।

इसीलिए मुझे लगता है कि अमेरिका को समझना हो तो उसके राष्ट्रपतियों से पहले उसके गीतों को सुने। साफ जाहिर होगा कि वे अमेरिका कैसे सोचता है, कैसे टूटता है, कैसे संभलता है और क्यों हर संकट के बाद भी अपने भविष्य पर विश्वास बनाए रखता है।

अमेरिका का राष्ट्रगान द स्टार स्पैंगल्ड बैनर है। इसे 1814 में फ्रांसिस स्कॉट की ने बाल्टीमोर के युद्ध के दौरान लिखा था। इसकी सबसे प्रसिद्ध पंक्ति है—ओ'अर द लैंड ऑफ द फ्री एंड द होम ऑफ द ब्रेव—यानी स्वतंत्र लोगों की भूमि और वीरों का घर। यह गीत युद्ध के बीच झंडे के बच जाने का गीत है। गणराज्य की रक्षा का गीत है। लेकिन अमेरिका और अमेरिकियों का सपना राष्ट्रगान में नहीं बसता। वह लोकप्रिय गीतों में सांस लेता है। यदि राष्ट्रगान बताता है कि अमेरिका कैसे बचा, तो उसके गीत बताते हैं कि अमेरिका किस विश्वास पर खड़ा हुआ था, खड़ा है और खड़ा रहेगा। इसलिए अमेरिका भूगोल नहीं, बल्कि एक मानसिक अवस्था है। वह अपने नागरिकों से पहले यह नहीं पूछता कि तुम कौन हो, किस धर्म, किस जाति या किस वंश से आए हो। वह उनके सपने देखता है, सपनों को मौका देता है। इसलिए दुनिया भर के लोग ढाई सौ वर्षों से अपने सपने लेकर मुख्यतः अमेरिका की ओर ही भागे हैं। बिरले ही मनुष्य होंगे जो सपने लेकर चीन, रूस, भारत या किसी और देश में जाएं।

लोगों के लिए अमेरिका कमाई से पहले सपनों को साकार बनाने का मुकाम है। दुनिया के बाकी देश अपने को मदरलैंड, फादरलैंड या धर्मराष्ट्र कहते हैं, मगर अमेरिका अकेला ऐसा देश है, जहां सपना पहले है, बाकी सब बाद में। पहले सपना, फिर पूंजीवाद। कोलंबस जब समुद्र में निकला था, तब उसके पास कोई निश्चित नक्शा नहीं था। उसके पास केवल विश्वास था कि क्षितिज के पार कुछ नया मिलेगा। उसी खोज की मानसिकता ने बाद में पूरे अमेरिकी महाद्वीप का चरित्र गढ़ा। अमेरिका का जन्म किसी नस्ल विशेष, भाषा या धर्म से नहीं हुआ। उसका जन्म एक संभावना से हुआ जिसका संबल विश्वास था।

तभी अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात हथियार से ज्यादा पूरी पृथ्वी को सपनों की और दौड़ाने वाला देश है। अमेरिकी संविधान का मूल भाव है कि यदि तुममें प्रतिभा है, जोखिम उठाने का साहस है और मेहनत करने की इच्छा है, तो भविष्य तुम्हारा हो सकता है। यही उसका मूल सूत्र और सांस्कृतिक ताकत है।

अमेरिका में राष्ट्रपति, सरकारें बदलती रहती हैं। नीतियां बदलती रहती हैं। कभी उदारवाद, कभी अनुदारवाद, कभी राष्ट्रवाद। कभी निक्सन और रीगन हैं, तो कभी ओबामा, कभी ट्रंप। लेकिन इन सबके बीच एक चीज़ लगातार है और वह यह विश्वास है कि हम कर सकते हैं, फिर महान बन सकते हैं, दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं और एक दिन चंद्रमा या मंगल पर भी बस सकते हैं। वेयक्तिक सपने से कोई कब अमेरिका पहुंचता है और कैसे वही एक सपना अमेरिकी स्वप्न का रॉकेट बनता है और फिर वह दुनिया से लेकर अंतरिक्ष के मिशन में खरबपति और ब्रह्मांड का खोजी बन बैठता है—इसकी कहानी केवल इलॉन मस्क की नहीं है। यह अमेरिकी सभ्यता की तासीर है। तभी वहा का संगीतकार और गायक भी दुनिया को थिरकाता हैं तो अमेरिका में विश्वास का जज़्बा भी बनाए रखता हैं। अमेरिका की सांस्कृतिकता हो, उसका उपभोक्तावाद हो या उसका पूंजीवाद—सब व्यक्ति के सपनों से है।

मेष राशि-आज का दिन शानदार रहने वाला है। काफी समय से रुके हुए काम आज थोड़े ही प्रयास में में पूरे हो जाएंगे। जो लोग टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं।

वृष राशि-आज का आपके लिए दिन खास रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे। आज घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा और नई टेक्नोलाजी से अपडेट होने का प्रयास करेंगे। जो लोग स्वीट्स ,कैफे आदि के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको अच्छा मुनाफा होगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान देने की जरूरत है, आज अपने गुस्से पर काबू रखें, वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं। साझेदारी में व्यवसाय कर रहे लोगों को उनके सहयोगी और कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग से आज व्यावसायिक गतिविधियों को और अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला वाला रहेगा। कर्क लग्न और राशि वालों आपका पूरा दिन भाग-दौड़ में बीतेगा। आज के दिन आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय में अच्छा लाभ होने की स्थिति बन रही है। पेपर वर्क पूरा न होने से जरूरी काम बनते-बनते रुक सकता है।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। प्रॉपर्टी से संबंधित रुका हुआ मामला आपसी सहमति से आज हल हो सकता है। आज जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, उनका प्लान किसी कारणवश अंतिम समय में कैंसिल हो सकता है।

कन्या राशि-आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी दैनिक गतिविधियों में कुछ नयापन लाने का प्रयास करेंगे। पुरानी समस्याओं से आज राहत मिलेगी। इस समय अतिरिक्त आय प्राप्ति के भी योग बन रहे हैं जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए बिजनेस में निवेश करने का विचार बना सकते हैं।

तुला राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। कार्यस्थल पर अपने काम के प्रति सतर्क रहें कुछ लोग आज आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना होगा। रुके हुए पैसों की वापसी आज संभव है। बातचीत करके आप अपना काम निकालने में सक्षम रहेंगे।

वृश्चिक राशि-आज आपका का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है और आज कुछ विशेष बातें सीखने को मिलेगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आज आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आपकी कार्यकुशलता से उम्मीद के अनुरूप लाभ होगा। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बनेगा।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में नयापन देखने को मिलेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है। आज किसी से बेवजह की बातें न करें, जितना हो सके विवाद से दूर रहें। अगर आप खुद की फर्म खोलना चाहते हैं, तो आपको अपने बड़े भाई से सहयोग मिल सकता है।

कुंभ राशि-आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आज आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है, इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बिजनेस में नये एग्रीमेंट होने की संभावना है। आज कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली को आज दूसरों के समक्ष उजागर न करें। कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी। आप पार्टटाइम वर्क की शुरूआत कर सकते हैं, धैर्य और संयम बनाकर रखें। आज बच्चों की शिक्षा से संबंधित कुछ लाभदायक योजनाएं बनेंगी इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

योगेश कुमार गोयल

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई,

चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है। रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं। तालध्वज रथ में 14 चक्के होते हैं और इसकी ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है। दर्पदलन रथ सबसे छोटा होता है, जिसमें 12 चक्के होते हैं और यह लगभग 43 फीट ऊंचा होता है। यात्रा के दौरान तीनों रथों को श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक खींचा जाता है और वहां सात दिनों तक भगवान विश्राम करते हैं। यह यात्रा किसी साधारण जुलूस की तरह नहीं होती बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही ऐसी आध्यात्मिक परंपरा है, जिसे केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है।

रथ यात्रा से जुड़े कई पौराणिक प्रसंग भी हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध स्कंद पुराण में वर्णित कथा है। इसके अनुसार, एक दिन भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने द्वारका शहर घूमने की इच्छा प्रकट की। तब श्रीकृष्ण और बलराम उन्हें रथ पर बैठाकर नगर दर्शन कराने ले गए। यही प्रसंग पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के रूप में जीवंत होता है, जहां भगवान अपनी बहन को साथ लेकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। इस यात्रा के हर पड़ाव पर धार्मिक रस्में होती हैं, जैसे कि हेरा पंचमी, जब देवी लक्ष्मी क्रोधित होकर भगवान के देर से लौटने पर मंदिर के बाहर प्रतीक्षारत रहती हैं। इसके बाद बहुड़ा यात्रा होती है, जब भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर से वापस अपने मुख्य मंदिर आते हैं। 24 जुलाई को वापसी के बाद उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और सुनाबेसा रस्म के अंतर्गत उन्हें स्वर्णाभूषणों से सजाया जाएगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, जापान जैसे कई देशों में इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, विशेष रूप से इस्कॉन संस्था द्वारा। इस यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरी में हर साल लाखों की संख्या में विदेशी श्रद्धालु आते हैं, जो इस भव्य आयोजन में भाग लेकर भारतीय संस्कृति की गहराई को अनुभव करते हैं। यह भारत की सॉफ्ट पावर का एक जीवंत उदाहरण है, जहां धर्म, संस्कृति और पर्यटन एक साथ राष्ट्र के वैश्विक प्रभाव को मजबूत करते हैं।

राज्यसभा के नौ नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा कक्ष में नौ नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ तथा प्रतिज्ञान दिलाया।

शपथ लेने वाले सदस्यों में डॉ. मुकेशभाई जे. राठवा, पवन खेड़ा, महेश केवट, जेम्स पंगसांग कोंगकल संगमा, खियांग्ते लालट्लुआंगकिमा, डॉ. सतीश पूनिया, प्रकाश चिक बड़ाईक, सुश्री सुष्मिता देव तथा सुखेंदु शेखर शामिल हैं। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पांच सदस्यों ने हिन्दी, दो सदस्यों ने अंग्रेजी तथा दो सदस्यों ने बंगाली भाषा में शपथ/प्रतिज्ञान लिया। नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों में तीन सदस्य पश्चिम बंगाल से हैं, जबकि गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और राजस्थान से एक-एक सदस्य राज्यसभा पहुंचे हैं। शपथ ग्रहण के साथ ही सभी सदस्यों ने राज्यसभा की कार्यवाही में औपचारिक रूप से भाग लेने की प्रक्रिया पूरी कर ली। मानसून सत्र के पहले दिन आयोजित इस संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सदन की संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए शपथ ग्रहण की कार्यवाही संपन्न हुई।

महाराष्ट्र में रफ्तार का कहर, वर्धा सड़क हादसे में छह लोगों की मौत,सुनेत्रा पवार ने व्यक्त की संवेदना

वर्धा(आरएनएस)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में रविवार को भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सड़क हादसे पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुख जताया है। सुनेत्रा पवार ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, जिले के विरुल गांव के पास समृद्धि राजमार्ग पर घटी भयावह दुर्घटना अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुर्घटना में निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जिससे गहरा सदमा लगा है। उन्होंने आगे लिखा, इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है और राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को आवश्यक उपचार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। हम उनके परिवारों के दुख में उनके साथ हैं। वर्धा के पास हाईवे पर एक कार और ट्रक की टक्कर हो जाने के बाद 6 लोगों की जलकर मौत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक में लगी आग की वजह से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार लोगों की गाड़ी जलते हुए ट्रक के नीचे फंसने से दर्दनाक मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया है।मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार चारों लोग वर्धा जिले के एक गांव के रहने वाले थे। पीड़ितों में जुड़वां बहनें भी शामिल थीं, जो एडमिशन के लिए पुणे गई थीं, लेकिन वापसी के सफर में इस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। हादसा इतना भयानक था कि शवों को निकालने के लिए कार को काटकर निकालना पड़ा।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका, 440 करोड़ वाले बैंक खातों पर ED का ताला रहेगा बरकरार

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा फ्रीज किए गए पार्टी के तीन बैंक खातों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया है। इन खातों में कुल 440 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम जमा है। इससे पहले राज्य पुलिस ने भी इन खातों को सीज किया था, जिन्हें हाई कोर्ट की एक अन्य बेंच ने आंशिक रूप से खोल दिया था, लेकिन इसके तुरंत बाद ED ने कड़ा एक्शन लेते हुए इन खातों को फिर से पूरी तरह से फ्रीज कर दिया।

पिछली बेंच ने दी थी रोजमर्रा के खर्चों की सशर्त छूट

इस पूरे मामले में इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट की ही एक दूसरी बेंच ने पार्टी को फौरी राहत देते हुए कुछ कड़ी शर्तों के साथ खातों के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी दी थी। अदालत ने तब साफ किया था कि पार्टी इन खातों से कोई बड़ा लेनदेन नहीं कर सकेगी और इसका इस्तेमाल केवल अपने दिन-प्रतिदिन के जरूरी कामकाज और खर्चों के लिए ही होगा। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सिंगल बेंच के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कलकत्ता हाई कोर्ट के ही रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार को स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया था। कोर्ट का आदेश था कि यह निगरानी व्यवस्था 30 सितंबर तक लागू रहेगी।

खाते सीज करने की जल्दबाजी पर कोर्ट ने जताई थी हैरानी

पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्यप्रणाली और खातों को इतनी तेजी से फ्रीज करने की कार्रवाई पर गहरी हैरानी व्यक्त की थी। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि 18 जून को एफआईआर दर्ज होती है और अगले ही दिन 19 जून को आनन-फानन में बैंक खातों पर रोक लगा दी जाती है। अदालत का स्पष्ट मानना था कि शुरुआती स्टेज पर ऐसा कोई ठोस आधार या सबूत नजर नहीं आता जिसके दम पर इतनी हड़बड़ी में यह कदम उठाया गया हो। कोर्ट ने पुलिस व्यवस्था पर तंज कसते हुए यह भी कहा था कि जब कोई आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर जाता है, तब प्रशासन की ऐसी तत्परता और फुर्ती शायद ही कभी देखने को मिलती है।

पैसे निकालने के लिए तय किए गए थे कड़े नियम

खातों को आंशिक तौर पर खोलने के साथ ही कोर्ट ने पैसे निकालने के लिए बेहद सख्त शर्तें लागू की थीं। आदेश के मुताबिक, पार्टी किसी भी अन्य काम के लिए पैसे की निकासी नहीं कर सकती थी। बैंक में चेक जमा करने से पहले उस पर टीएमसी के दो अधिकृत पदाधिकारियों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य किया गया था। इतना ही नहीं, पदाधिकारियों के साइन के बाद उस चेक पर अदालत द्वारा नियुक्त किए गए स्पेशल ऑफिसर (रिटायर्ड जज) के काउंटर-सिग्नेचर के बिना बैंक से एक भी रुपया नहीं निकाला जा सकता था। हालांकि, अब ईडी के एक्शन और नई बेंच के फैसले के बाद पार्टी के लिए इन फंड्स का इस्तेमाल करना असंभव हो गया है।

युवाओं का साहस और परिश्रम ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के युवाओं के साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए सोमवार को एक प्रेरणादायी संस्कृत सुभाषितम् साझा किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा अपने धैर्य, अथक परिश्रम और अटूट विश्वास के बल पर लगातार ऐतिहासिक सफलताएं अर्जित कर रहे हैं, जो विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज का भारतीय युवा हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना कर रहा है और कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से विचलित हुए बिना आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं की यही ऊर्जा, संकल्प और कर्मठता देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ एक संस्कृत सुभाषितम् भी साझा किया—

प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः।
दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥

इस सुभाषित का भावार्थ है कि महान व्यक्ति विपत्ति आने पर कभी

विचलित नहीं होता, बल्कि सजग रहकर निरंतर प्रयास करता है। वह समय आने पर कठिनाइयों को धैर्यपूर्वक सहन करता है और अंततः अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों पर विजय प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने संकेत दिया कि भारत के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, नवाचार, उद्योग, खेल और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर देश का नाम वैश्विक स्तर पर ऊंचा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि युवाओं का यही उत्साह, नवाचार और परिश्रम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- 'जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती'

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले कहा कि हां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत हैं और तर्क मजबूत हैं तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मानसून सत्र आरंभ हो रहा है, देश ने रफ्तार पकड़ ली है और संसद का स्पिरिट उस रफ्तार में नई ऊर्जा भर सकता है। सकारात्मक स्पिरिट राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक होता है। उन्होंने कहा, हमारे सदन में बहुत अनुभवी सांसद भी हैं, चाहे दल उनका कोई भी हो। उनके पास लंबा अनुभव है।

त्रिपुरा के DGP अनुराग धनखड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस हेडक्वार्टर में मिला शव

अगरतला(आरएनएस)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग सोमवार को राज्य पुलिस मुख्यालय में अपने चैंबर से जुड़े बाथरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी।सीनियर आईपीएस अधिकारी को अगरतला के सरकारी मेडिकल कॉलेज और गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज और गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल के मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ. प्रदीप भौमिक ने बताया कि डीजीपी अनुराग को अस्पताल लाया गया था लेकिन उसमें जीवन के कोई संकेत नहीं थे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉ. भौमिक ने मीडिया को बताया, डीजीपी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगी।त्रिपुरा सरकार और राज्य पुलिस मुख्यालय ने अभी तक डीजीपी अनुराग की मौत के कारणों या परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। त्रिपुरा कैडर के 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अनुराग ने पिछले साल 17 मई को राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पद संभाला था। उन्होंने 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी अमिताभ रंजन की जगह ली थी।

डीजीपी बनने से पहले अनुराग त्रिपुरा में पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) के पद पर तैनात थे।मैसूर के सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट से फूड टेक्नोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएट अनुराग के पास उस्मानिया यूनिवर्सिटी से पुलिस मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री भी थी।

राज्यसभा में पूर्व सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को दी गई श्रद्धांजलि, सदन ने रखा दो मिनट का मौन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राज्यसभा में सोमवार को सभापति ने सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पूर्व राज्यसभा सदस्यों बलबीर के. पुंज, स्वपन साधन बोस, रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के साथ-साथ कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि संदेश के बाद सदन ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभापति ने बताया कि पूर्व राज्यसभा सदस्य बलबीर के. पुंज का 18 अप्रैल 2026 को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे वर्ष 2000 से 2006 तक उत्तर प्रदेश तथा 2008 से 2014 तक ओडिशा का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके थे। पंजाब के गुरदासपुर जिले में जन्मे बलबीर पुंज प्रख्यात पत्रकार, लेखक, विचारक और सार्वजनिक बुद्धिजीवी के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर लेखन और विश्लेषण से अपनी अलग पहचान बनाई तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय युवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं। सभापति ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित सांसद, वरिष्ठ पत्रकार और प्रख्यात लेखक को खो दिया है। सभापति ने स्वपन साधन बोस के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उनका 12 मई 2026 को 78 वर्ष की आयु में निधन हुआ। वे वर्ष 2005 से 2011 तक पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य रहे। खेल जगत में टूटू बोस के नाम से प्रसिद्ध स्वपन साधन बोस लंबे समय तक मोहन बागान एथलेटिक क्लब से जुड़े रहे और उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने फीफा क्लब टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में भी कार्य किया तथा भारतीय फुटबॉल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभापति ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित खेल प्रशासक, सक्षम सांसद और समर्पित जनसेवक को खो दिया।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में 20-21 जुलाई को ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की 8वीं बैठक शुरू

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत की वर्ष 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग द्वारा 20 और 21 जुलाई को ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की 8वीं बैठक का वर्चुअल माध्यम से आयोजन किया जा रहा है। भारत के महान्यायवादी आर. वेंकटरमणी की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के अभियोजन सेवा प्रमुख भाग ले रहे हैं। बैठक का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए आपसी सहयोग को मजबूत करना है। यह बैठक भारत के ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रमुख विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण (Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability) को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सदस्य देशों के अभियोजन प्रमुखों की भागीदारी न्याय व्यवस्था को अधिक स्थिर, निष्पक्ष और पूर्वानुमानित बनाने की साझा प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है, जिससे आर्थिक विकास और सुशासन को मजबूती मिलेगी।दो दिवसीय बैठक का मुख्य विषय अभियोजन के दृष्टिकोण से आपराधिक न्यायनिर्णयन में अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान रखा गया है। इस दौरान सदस्य देश आधुनिक न्यायिक चुनौतियों, अभियोजन प्रणाली में सुधार तथा प्रभावी विधायी प्रक्रियाओं पर अपने अनुभव साझा करेंगे। बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, न्यायिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रभावी प्रबंधन और समयबद्ध मुकदमों के संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा होगी।

उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन, चारधाम यात्रा की गई स्थगित, श्रद्धालुओं से अफवाहों से बचने की अपील

देहरादून ,(आरएनएस)। उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और मौसम विभाग की ओर से जारी रेड एवं ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर प्रशासन ने चारधाम यात्रा को एहतियातन अस्थायी रूप से रोक दिया है। कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़कें बाधित होने की सूचना मिलने के बाद यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

प्रशासन के अनुसार, चारधाम यात्रा मार्ग पर हालात की लगातार निगरानी की जा रही है। जिन स्थानों पर रास्ते प्रभावित हुए हैं, वहां राहत एवं सड़क बहाली का कार्य तेज़ी से जारी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मार्ग में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए और उन्हें भोजन, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।गढ़वाल मंडल प्रशासन ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मौसम सामान्य होने और मार्ग पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही यात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए। साथ ही, यात्रा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां समय-समय पर आधिकारिक माध्यमों से साझा करने के निर्देश भी दिए गए हैं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर भरोसा न करें और केवल सरकारी विभागों द्वारा जारी आधिकारिक सूचना का ही पालन करें। मौसम और सड़क की स्थिति सामान्य होने तक यात्रा से जुड़े सभी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि परिस्थितियों में सुधार होते ही चारधाम यात्रा को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और प्रभावित मार्गों को जल्द से जल्द सुचारु बनाना है।

1109 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के कई ठिकानों पर छापेमारी

भुवनेश्वर, (आरएनएस)। 1109 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा कदम उठाते हुए गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की है। भुवनेश्वर की विशेष सीबीआई अदालत से मिले तलाशी वारंट के आधार पर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में कार्रवाई की गई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार, कंपनी पर बैंकों से अधिक ऋण प्राप्त करने के लिए वित्तीय आंकड़ों और स्टॉक वैल्यू को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि कथित तौर पर गलत वित्तीय जानकारी के आधार पर ऋण सीमा बढ़वाई गई और बाद में ऋण राशि का दुरुपयोग करते हुए उसे अन्य खातों एवं उद्देश्यों में स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, कोलकाता स्थित पंजीकृत कार्यालय, उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर तथा भुवनेश्वर स्थित उत्पादन इकाइयों की तलाशी ली गई। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जब्त दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर ने विभिन्न बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 2900 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। कंपनी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 270 करोड़ रुपये और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के 226 करोड़ रुपये का बकाया होने का आरोप है।

CJP के प्रदर्शन में पहुंची पूनम पांडे, बोली- मुझे पॉलिटिक्स का 'पी' भी नहीं पता, मैं सिर्फ छात्रों के लिए आई हूं

नई दिल्ली(आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम पांडे सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक और छात्रों की समस्याओं को लेकर सरकार से तुरंत कड़े कदम उठाने की अपील की। मीडिया से बात करते हुए पूनम ने साफ किया कि वह किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत नहीं, बल्कि पूरी तरह से छात्रों का समर्थन करने यहां आई हैं।

प्रदर्शन स्थल पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूनम पांडे ने कहा, मैं एक चीज साफ-साफ बोलना चाहूंगी कि यह प्रदर्शन शुरू से ही बच्चों का था और अब भी बच्चों का ही है। मैं यहां सिर्फ और सिर्फ छात्रों का समर्थन करने और उनके हक की लड़ाई लड़ने आई हूं। मुझे पॉलिटिक्स का 'पी' भी नहीं पता। मैं बस उन बच्चों के लिए आई हूं जिन्होंने पेपर लीक और सिस्टम से परेशान होकर आत्महत्या की है। मैं उनके न्याय के लिए खड़ी हूं। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि इस संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक या धार्मिक रंग न दिया जाए और इसे छात्रों का ही मुद्दा रहने दिया जाए।

संघर्ष के दिनों को याद करते हुए पूनम ने कहा, मेरे पिता एक सिक्योरिटी गार्ड थे और उनकी सैलरी सिर्फ 7,000 रुपये थी। वह रात की शिफ्ट में काम करते थे। उस समय हमारे पास स्कूल की फीस भरने तक के पैसे नहीं होते थे, क्योंकि हमारे देश में शिक्षा इतनी महंगी है कि एक गरीब परिवार इसका खर्च नहीं उठा पाता। आज के दौर में जब बच्चे इतनी मेहनत करते हैं और उनके मां-बाप पेट काटकर पैसे जुटाते हैं, उसके बाद अगर पता चले कि पेपर लीक हो गया है, तो उन पर क्या गुजरती होगी? ऐसे हालातों में बच्चों के दिमाग में आत्महत्या के ख्याल आते हैं। दुख की बात है कि हम इस मुख्य मुद्दे को छोड़कर हिंदू-मुस्लिम जैसे बेकार के विषयों पर बहस कर रहे हैं।

पूनम पांडे ने सरकार को घेरते हुए कहा, लोकतांत्रिक देश में जनता को अपनी समस्याओं पर जवाब मांगने का अधिकार है। मेरी सरकार से अपील है कि हम यहां के नागरिक हैं और हमारा पूरा हक बनता है कि हम जवाब मांगें। छात्रों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए और इस मुद्दे को भटकाने के बजाय उन परिवारों के बारे में सोचना चाहिए, जो इस पूरे मामले से प्रभावित हुए हैं। बता दें कि नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। इस आंदोलन का नेतृत्व सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक कर रहे हैं।

एपीडा की पहल से उत्तराखंड से इराक को पहली बार 24 मीट्रिक टन फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का निर्यात

नई दिल्ली/काशीपुर (आरएनएस)। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर से इराक को 24 मीट्रिक टन फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज की पहली निर्यात खेप भेजने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। वीरुन ग्लोबल ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात की गई यह खेप राज्य से मूल्यवर्धित कृषि उत्पादों के निर्यात को नई दिशा देने के साथ ही भारत के प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

निर्यातक कंपनी ने उम्मीद जताई है कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार से लगातार नए ऑर्डर प्राप्त होंगे और इराक सहित अन्य देशों के साथ दीर्घकालिक व्यापारिक संबंध स्थापित होंगे। इससे कंपनी के साथ-साथ क्षेत्र के किसानों और कृषि-आधारित उद्योगों को भी निरंतर लाभ मिलेगा। एपीडा ने निर्यातकों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सियाल, गल्फूड, इंडसफूड और वर्ल्ड फूड इंडिया जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में भागीदारी के लिए भी सहयोग दिया है। इससे विदेशी खरीदारों के साथ संपर्क बढ़ा है और नए निर्यात अवसर विकसित हुए हैं। भारत प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के वैश्विक निर्यातक के रूप में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान देश से 7,26,874.70 मीट्रिक टन प्रसंस्कृत सब्जियों का निर्यात हुआ, जिसका कुल मूल्य 932.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इनमें मूल्यवर्धित आलू उत्पादों का निर्यात 2,77,108.51 मीट्रिक टन रहा, जिसकी कीमत 289.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर दर्ज की गई। प्रसंस्कृत फल एवं सब्जियों ने एपीडा के कुल निर्धारित निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दिया।

अमेरिका से खूनी जंग के बीच ईरान में बड़ी वारदात, पाकिस्तान बॉर्डर पर प्रमुख सुन्नी धर्मगुरु की सरेआम गोली मारकर हत्या

मिर्जावेह (ए.)। एक तरफ ईरान इन दिनों अमेरिका के साथ सीधे और भीषण सैन्य टकराव में उलझा हुआ है, तो वहीं दूसरी तरफ देश के भीतर एक बड़ी खूनी वारदात ने सनसनी फैला दी है। पाकिस्तान की सीमा से सटे ईरान के दक्षिण-पूर्वी शहर मिर्जावेह में एक प्रमुख सुन्नी धर्मगुरु मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात बंदूकधारियों ने सरेआम हत्या कर दी है। मौलवी अनवर इस शहर में हर शुक्रवार को होने वाली नमाज के इमाम थे। शिया बहुल देश ईरान में यह सनसनीखेज वारदात सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में हुई है, जहां सुन्नी बलूच आबादी बहुतायत में रहती है। ईरान के सरकारी मीडिया ने स्थानीय प्रशासन के हवाले से इस निर्मम हत्याकांड की पुष्टि की है।सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की गिनती ईरान के सबसे गरीब और अशांत इलाकों में होती है। यह क्षेत्र लंबे समय से इस्लामी या जातीय उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच खूनी

संघर्ष का गवाह रहा है। इस हाई-प्रोफाइल हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि इस जानलेवा हमले का मुख्य मकसद देश की आंतरिक सुरक्षा को अस्थिर करना और प्रांत में सांप्रदायिक मतभेदों की आग को भड़काना है। फिलहाल पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और प्रशासन ने स्थानीय लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।ईरान के भीतर यह अस्थिरता ऐसे बेहद संवेदनशील वक्त में सामने आई है जब वह बाहरी मोर्चे पर भी भयंकर तनाव से गुजर रहा है। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर भारी बमबारी की है, जिसके जवाब में ईरान भी खाड़ी देशों में लगातार पलटवार कर रहा है। इन बढ़ती तल्खियों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ यह युद्ध तब तक नहीं थमेगा, जब तक ईरान को इस लड़ाई में मजबूत बढ़त नहीं मिल जाती। सरकारी न्यूज एजेंसी को दिए एक कड़े इंटरव्यू में अराघची ने स्पष्ट किया है कि जब तक संघर्ष में स्थिति ईरान के पक्ष में मजबूत नहीं होती, तब तक किसी भी तरह की बातचीत नहीं होगी।

ईरान की आर्थिक हालत खराब है, सरकार हिज्बुल्लाह के ऊपर खर्च कर रही पैसे : मार्को रुबियो

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। दोनों देशों के बीच जारी इस सैन्य टकराव में अब तक तीन अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है। अमेरिकी सरकार ने इन ताजा हमलों को हाल ही में मारे गए अपने तीन सैनिकों को श्रद्धांजलि बताया है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया कि वैश्विक प्रतिबंधों के कारण ईरान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है।मार्को रुबियो ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ईरान की अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। वहां 300 फीसदी महंगाई है, खासकर जिंदगी के लिए जरूरी चीजों पर। वहां खाने की कमी है।

मनीला में त्रिपक्षीय बैठकः उत्तर कोरिया और सुरक्षा सहयोग पर होगी चर्चा

सोल (ए.)। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के शीर्ष

राजनयिक इस सप्ताह फिलीपींस की राजधानी मनीला में बैठक करेंगे। इस बैठक में उत्तर कोरिया से जुड़े मुद्दों पर समन्वय और तीनों देशों के बीच आर्थिक तथा सुरक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा होगी।मंत्रालय के अनुसार, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून बुधवार को मनीला में आसियान से संबंधित मंत्रिस्तरीय बैठकों के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी योनहाप समाचार एजेंसी ने दी। यह बैठक 7 जुलाई को अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान हुई पिछली त्रिपक्षीय वार्ता के लगभग दो सप्ताह बाद हो रही है।

जलवायु संकट और बढ़ते संघर्ष से विश्व धरोहरों पर मंडरा रहा खतरा : यूनेस्को

बुसान (ए.)। यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया। शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकर 'वैश्विक जागरूकता' और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक

महानिदेशक नायेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है।योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, भौतिक क्षति की भरपाई कई बार संभव होती है, लेकिन प्रभावित समाजों को होने वाली मानसिक और सांस्कृतिक क्षति की भरपाई करना बेहद कठिन होता है।उन्होंने कहा, "इस जिम्मेदारी को निभाना केवल सरकारों का काम नहीं है। इन स्थलों पर रहने वाले लोगों, वहां काम करने वालों और उन्हें देखने आने वाले पर्यटकों की भी समान जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इन अमूल्य धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव हो।"यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के निदेशक लाजारे एलाउंडू असोमो ने भी इस चिंता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक धरोहरें इस समय "अभूतपूर्व दबाव" का सामना कर रही हैं।उन्होंने बताया कि इन धरोहरों के सामने कई परस्पर जुड़े खतरे हैं, जिनमें लगातार बढ़ रही चरम मौसम की घटनाएं, प्राकृतिक आपदाएं, जानबूझकर किए जाने वाले हमले और मानव गतिविधियों का बढ़ता दबाव शामिल हैं।असोमो ने कहा, "ऐसे समय में बुसान में हो रही समिति की यह बैठक पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रुख को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। हमें उम्मीद है कि यह बैठक वैश्विक जागरूकता का एक नया दौर शुरू करेगी ।

भारतीय छात्रों के लिए महत्वपूर्ण खबर, अमेरिकी वीजा नियम हुए सख्त, पढ़ाई और डिग्री पर पड़ सकता है असर

वाशिंगटन (आरएनएस)। एक इंडियन डायस्पोरा पॉलिसी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि एफ-1 और जे-1 वीजा पर चार साल की नई लिमिट से अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स को अपनी डिग्री या रिसर्च के बीच में ही अमेरिका से बाहर जाना पड़ सकता है।फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के नए नियम को तत्काल लागू करने पर रोक लगाने की अपील की है।एफआईआईडीएस के अनुसार, यह नियम 16-17 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया और सितंबर के मध्य से लागू होने वाला है।संगठन का कहना है कि इस नियम के तहत वर्षों से लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' नीति को समाप्त कर दिया गया है और विदेशी छात्रों के लिए अधिकतम चार वर्ष तक रहने की सीमा तय कर दी गई है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर गूंजी किलकारी, 150 साल बाद अमेरिका में बना अनोखा रिकॉर्ड; पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा वेंस के घर एक नन्हे मेहमान का आगमन हुआ है। दंपति ने चौथी बार माता-पिता बनने का गौरव हासिल किया है। इस बेटे के जन्म के साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नाम एक बेहद अनोखा और ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अमेरिकी इतिहास में पिछले 150 से अधिक वर्षों में यह पहला मौका है, जब पद पर रहते हुए किसी मौजूदा उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। इस सुखद समाचार के सामने आने के बाद से ही वैश्विक स्तर पर दंपति को बधाइयाँ मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है।

जानिए क्या रखा है नन्हे मेहमान का नाम, दंपति ने जारी किया बयान

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा वेंस ने सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर इस खुशखबरी को पूरी दुनिया के साथ साझा किया। अपने बयान में उन्होंने बच्चे के नाम का खुलासा करते हुए कहा, हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारे घर एक प्यारे से बेटे का जन्म हुआ है, जिसका नाम हमने 'एलेक नील वेंस' रखा है। उषा और हमारा नवजात बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं। हमारे बाकी तीनों बच्चे अपने छोटे भाई के स्वागत को लेकर बेहद उत्साहित और खुश हैं।

व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम और मिलिट्री डॉक्टर्स का जताया आभार

अपनी खुशी साझा करते हुए जेडी वेंस ने चिकित्सा टीम का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, वॉल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के बेहतरीन मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ सदस्य हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहे हैं। उन्होंने इस सफर में हमारे परिवार की जो देखभाल और सहयोग किया है, उसके लिए हम दिल से उनके आभारी हैं। आपको बता दें कि जेडी वेंस की 40 वर्षीय पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस भारतीय मूल की हैं और उनका परिवार मूल रूप से भारत के आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखता है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी, जिसके बाद साल 2014 में दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। वेंस दंपति के तीन अन्य बच्चों में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मिराबेल शामिल हैं।

1870 के बाद पहली बार हुई ऐसी दुर्लभ घटना

दिलचस्प बात यह है कि रिपब्लिकन नेता जेडी वेंस लंबे समय से अमेरिकी परिवारों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं, और उनके चौथे बच्चे का जन्म उन्हीं के विचारों की तस्दीक करता है। अमेरिकी इतिहास के पन्नों को पलटें तो पद पर रहते हुए किसी उपराष्ट्रपति के घर बच्चे के जन्म की ऐसी आखिरी घटना साल 1870 में हुई थी।

उस समय अमेरिका के तत्कालीन उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स और उनकी दूसरी पत्नी एलेन वेड के घर बेटे का जन्म हुआ था, जिसका नाम शायलर कोलफैक्स तृतीय रखा गया था। उसके बाद से अब जाकर यह ऐतिहासिक संयोग दोबारा बना है।

फीचर

जिम के बाद उपकरणों को क्यों पोंछना चाहिए? जानिए इसका महत्व

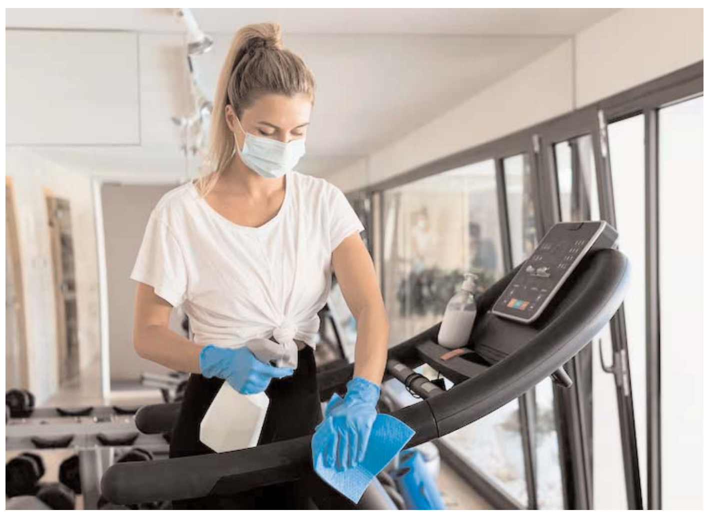

जिम में व्यायाम करते समय कई लोग उपकरणों का उपयोग करते हैं। इन उपकरणों पर कई अन्य लोगों का पसीना और अन्य तरल पदार्थ हो सकते हैं। इसलिए जिम के बाद इन उपकरणों को पोंछना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि जिम के बाद उपकरणों को पोंछना क्यों जरूरी है और इसे कैसे सही तरीके से किया जा सकता है।

जिम उपकरणों पर जमा होते हैं कीटाणु

जिम उपकरणों पर कई लोगों का पसीना और अन्य तरल पदार्थ जमा होते हैं, जो कि कीटाणुओं का एक बड़ा स्रोत हो सकते हैं।इन कीटाणुओं के संपर्क में आने से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि त्वचा की जलन, संक्रमण या अन्य बीमारियां।इसलिए जिम के बाद उपकरणों को पोंछना बहुत जरूरी है ताकि ये कीटाणुओं से मुक्त रहें और आपकी सेहत सुरक्षित रहे।

संक्रमण फैलने का खतरा होता है अधिक

अगर आप जिम उपकरणों को नहीं पोंछते हैं तो इससे बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर अगर कोई व्यक्ति बीमार हो तो उसके पसीने के कण दूसरे लोगों तक पहुंच सकते हैं और उन्हें भी बीमार कर सकते हैं।इसलिए जिम के बाद उपकरणों को पोंछना बहुत जरूरी है ताकि बीमारी फैलने का खतरा कम हो सके और सभी लोग सुरक्षित रहें।

व्यक्तिगत सफाई बनाए रखना है जरूरी

जिम उपकरणों को पोंछने से न केवल उपकरण साफ रहते हैं बल्कि आपकी व्यक्तिगत सफाई भी बनी रहती है।जब आप खुद अपने उपयोग किए हुए उपकरण को साफ करते हैं तो आपको यह एहसास होता है कि यह कितना जरूरी है कि आप दूसरों की सेहत का ध्यान रखें।इसके अलावा इससे आपको अपने स्वास्थ्य और सफाई के प्रति जागरूक रहने में मदद मिलती है और आप एक जिम्मेदार जिम उपयोगकर्ता बनते हैं।

जिम मालिक भी करते हैं प्रोत्साहित

अधिकांश जिम मालिक अपने सदस्यों को हमेशा अपने उपयोग किए हुए उपकरण को पोंछने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं ताकि पूरे जिम का माहौल साफ-सुथरा रहे और सभी लोग स्वस्थ रहें। इससे न केवल उपकरणों की उम्र बढ़ती है बल्कि पूरे जिम का माहौल भी बेहतर बनता है।इसके अलावा इससे अन्य सदस्यों को भी प्रेरणा मिलती है कि वे भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं और जिम को साफ-सुथरा रखें।

अच्छा उदाहरण बनें

जब आप खुद अपने उपयोग किए हुए उपकरण को साफ करते हैं तो आप दूसरों के लिए एक अच्छा उदाहरण बनते हैं। इससे अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं कि वे भी ऐसा ही करें और पूरे जिम का माहौल बेहतर बना रहे।इस तरह आप न केवल अपनी सेहत बल्कि दूसरों की सेहत का भी ध्यान रखते हैं और एक जिम्मेदार जिम उपयोगकर्ता बनते हैं।

सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा, बोलीं- यह मेरे लिए घर वापसी जैसा

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ डिस्को सिंह में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट

का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और सिटी ब्यूटीफुल वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। हम चंडीगढ़ और मोहाली में शूटिंग कर रहे हैं। सेट पर हर कोई बहुत अच्छा और सपोर्टिव है। हमारे डायरेक्टर ने पूरे प्रोसेस को बहुत आरामदायक बना दिया है और हर दिन सेट पर आना बहुत अच्छा लगा है।

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा।

उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।

अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म मोमाकू में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम मोटर, माचिस और कटर है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने पिंकी नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

नितेश तिवारी की रामायण का हिस्सा बनकर खुशी से झूमी रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म रामायण का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी

शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने रामायण के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा। वहीं, दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में दिवाली के अवसर पर रिलीज होगा।

मानसून के दौरान कार्यस्थल के लिए चुनें ये कपड़े, रहेंगे स्टाइलिश और आरामदायक

मानसून के दौरान न केवल मौसम में बदलाव आता है, बल्कि कार्यस्थल के माहौल में भी काफी बदलाव देखने को मिलते हैं। इस दौरान उमस और बारिश के कारण ऐसी पोशाकें चुनना जरूरी है, जो न केवल आरामदायक हों, बल्कि पेशेवर लुक भी दें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कपड़ों के बारे में बताते हैं, जो मानसून के दौरान कार्यस्थल के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

सूती कपड़े

सूती कपड़े मानसून के दौरान सबसे अच्छा विकल्प हैं क्योंकि यह नमी को सोख लेता है और त्वचा को हवा लगने देता है।

सूती शर्ट या कुर्ता-पजामा पहनने से आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा सूती कपड़े जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको बारिश के पानी से होने वाली परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।सूती कपड़ों की देखभाल भी आसान होती है और ये लंबे समय तक चलते हैं।

लिनेन कपड़े

लिनेन एक हल्का और सांस लेने वाला कपड़ा है, जो गर्मी और

नमी को दूर रखता है। लिनेन की ड्रेस या सूट पहनने से आप आरामदायक महसूस करेंगे और साथ ही यह आपको एक पेशेवर लुक भी देगा।लिनेन कपड़े जल्दी सिकुड़ते नहीं हैं, जिससे आपको बार-बार इस्त्री करने की जरूरत नहीं पड़ती।लिनेन कपड़े आसानी से धोए जा सकते हैं और जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको बारिश के पानी से होने वाली परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

हल्के रंगों के कपड़े

मानसून के दौरान हल्के रंगों के कपड़े पहनना अच्छा रहता है क्योंकि ये धूप को कम सोखते हैं और आपको ठंडक महसूस कराते हैं।सफेद, हल्का नीला, हल्का पीला जैसे रंग मानसून के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। ये रंग न केवल आपको तरोताजा महसूस कराएंगे बल्कि पेशेवर लुक भी देंगे।हल्के रंगों के कपड़ों में दाग-धब्बे भी कम नजर आते हैं, जिससे आपको बार-बार कपड़े बदलने की जरूरत नहीं पड़ती।

ढीले-ढाले कपड़े

मानसून के दौरान ढीले-ढाले कपड़े पहनना सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और आपको पसीना आने से बचाते हैं।ढीली शर्ट या कुर्ता-पजामा पहनने से आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे।

इसके अलावा ढीले-ढाले कपड़े पहनने से चलने-फिरने में कोई दिक्कत नहीं होती और आप आसानी से अपने काम को कर सकते हैं। इन कपड़ों में आरामदायक महसूस होता है और ये आपको पेशेवर लुक भी देते हैं।

ऑपरेशन अंकुश में रायगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 जुआ फड़ों पर छापा; 33 जुआरी गिरफ्तार

रायगढ़, (आरएनएस)। रायगढ़ पुलिस ने जिले में जुआ और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन अंकुश के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए रायगढ़-कोरबा सीमा स्थित ग्राम धसकामुड़ा में संचालित पांच जुआ फड़ों पर एक साथ दबिश दी। पुलिस ने मौके से 33 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।छापेमारी के दौरान पुलिस ने 57,140 रुपये नकद, करीब 90 लाख रुपये मूल्य की 7 चारपहिया वाहन और 5 गैस लाइट जब्त की हैं। कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 के तहत पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को रायगढ़ से मंगाई गई बस क्रमांक सीजी 03 ए 5014 से धरमजयगढ़ न्यायालय भेजा, जहां उन्हें पेश कर न्यायिक रिमांड की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रायगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में जुआ और सट्टे के अवैध कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन अंकुश के तहत आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नम्बी जलप्रपात की वादियों से रुबरु हुए CG25 राइडर्स

साहसिक बाइक यात्रा के दौरान बीजापुर पहुंचे, कलेक्टर विश्वदीप को भेंट किया ग्रुप का आधिकारिक बैच

बीजापर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नैसर्गिक सौंदर्य को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से C G25 राइडर्स ग्रुप के दर्जनों बाइक राइडर्स सैकड़ों किलोमीटर की साहसिक यात्रा तय कर बीजापुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले के प्रसिद्ध नम्बी जलप्रपात सहित विभिन्न प्राकृतिक एवं रमणीय पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर यहां की अद्भुत सुंदरता का अनुभव किया।दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होते हुए जब राइडर्स नम्बी जलप्रपात पहुंचे, तो वहां का मनमोहक प्राकृतिक दृश्य देखकर वे अभिभूत हो गए। घने जंगलों, कल-कल बहती जलधारा और शांत वातावरण ने सभी राइडर्स को रोमांचित कर दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बीजापुर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऐसा पर्यटन स्थल है, जिसे हर प्रकृति प्रेमी और साहसिक यात्रा के शौकीन को अवश्य देखना चाहिए।यात्रा के दौरान C G25 राइडर्स के सदस्यों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर श्री विश्वदीप से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राइडर्स ने अपने ग्रुप का आधिकारिक बैच कलेक्टर को भेंट कर सम्मानित किया। कलेक्टर विश्वदीप ने राइडर्स की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे साहसिक पर्यटन अभियान बीजापुर की प्राकृतिक धरोहर को व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने राइडर्स से जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण करने तथा अपने अनुभवों को सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से साझा कर अधिक से अधिक लोगों को बीजापुर आने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।छ्त्त25 ग्रुप के सदस्य गीतेश ताम्रकर ने कहा कि बीजापुर की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और यहां के लोगों का आत्मीय व्यवहार अविस्मरणीय है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा पर अमल, उद्यान निर्माण के लिए 95.3 लाख स्वीकृत

रायपुर, (आरएनएस)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सारंगढ़ नगर पालिका में उद्यान के निर्माण के लिए 95 लाख 30 हजार रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सारंगढ़ में उद्यान निर्माण की घोषणा के अनुपालन में विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से अधोसंरचना मद से यह राशि स्वीकृत की गई है।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इसकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। अरुण साव ने उद्यान का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

नीट परीक्षा में पारदर्शिता और छात्र आंदोलन के समर्थन में उतरा छत्तीसगढ़ किसान यूनियन, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की उठाई मांग

धमतरी, (हि.स.)।छत्तीसगढ़ किसान यूनियन, जिला धमतरी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के विरोध में चल रहे छात्र आंदोलन का समर्थन करते हुए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सोमवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष घनाराम साहू ने कहा कि जंतर-मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन पर बैठे शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा बलपूर्वक हटाकर अस्पताल ले जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। यूनियन का कहना है कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने का अधिकार देता है, ऐसे में आंदोलनकारियों को उनकी इच्छा के विरुद्ध जबरन अस्पताल में भर्ती कराना उचित नहीं है और यह घटना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

जिले के 12 रेशम हितग्राहियों ने बिलासपुर में पांच दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया

बीजापुर,(आरएनएस)। रेशम उत्पादन को वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बीजापुर जिला के 12 रेशम हितग्राहियों ने संयुक्त संचालक, रेशम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण बिलासपुर में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण 16 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को रेशम उत्पादन से संबंधित समस्त गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों द्वारा तसर पालन की वैज्ञानिक पद्धति, स्वस्थ डिम्ब समूहों का प्रबंधन, खाद्य पौधों का संरक्षण एवं प्रबंधन, कीट पालन की आधुनिक तकनीक, रोग एवं कीट नियंत्रण, कोसा उत्पादन, गुणवत्ता सुधार तथा उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के प्रभावी उपायों पर व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कांकेर में दो परिवार के मूल धर्म में वापसी से इनकार के बाद गांव से बेदखल कर दिया

कांकेर, (ए.)। जिले में ईसाई धर्मांतरण से जुड़े दो नए विवाद सामने आए हैं। एक तरफ ढेकुना गांव में धर्मांतरित व्यक्ति के शव को गांव की सरहद से हटाने की मांग तेज हो गई है, तो दूसरी तरफ

ताड़ोकी क्षेत्र के बर्रेबेड़ा गांव में मूल धर्म में वापसी से इनकार पर 2 धर्मांतरित परिवारों को आज सोमवार को गांव से बेदखल कर दिया गया। इस मामले में विकासखंड के ताड़ोकी थाना क्षेत्र अंतर्गत बर्रेबेड़ा गांव में धर्मांतरण को लेकर तनाव है।गांव के दो परिवारों ने कई साल पहले धर्मांतरण कर लिया था। पिछले कुछ समय से ग्रामीण उन पर मूल धर्म में वापसी का दबाव बना रहे थे। जब दोनों परिवारों ने इनकार कर दिया तो ग्रामीण एकजुट हुए और सामूहिक निर्णय लेते हुए दोनों घरों का सामान उठाकर गांव की सीमा से बाहर फेंक दिया। इसके बाद घरों में ताला भी लगा दिया गया। घटना के समय तेज बारिश हो रही थी। घरेलू सामान, बर्तन और अनाज भीगते रहे। आरोप है कि घटना के दौरान मौके पर न तो पुलिस थी, और न ही प्रशासन का कोई अधिकारी।हाटकोंगेरा गांव में शव दफन को लेकर मामला शांत हुआ ही था कि अब पड़ोसी ढेकुना गांव में नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल हाटकोंगेरा, ढेकुना और नारा तीनों गांव की सरहद आपस में जुड़ी हुई है।

एम्स रायपुर में पेपरलेस लैब जांच प्रणाली शुरू, ओपीडी मरीजों को मिलेगी तेज़ और आसान सुविधा

रायपुर, (आरएनएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने मरीजों को अधिक सुविधाजनक, त्वरित और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीनीकृत डोम-1 फ्लेबोटोमी ज़ोन का शुभारंभ किया है। इसके साथ ही बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) के मरीजों के लिए पेपरलेस लैबोरेटरी टेस्ट रिक्विजिशन (प्रयोगशाला जांच अनुरोध) प्रणाली लागू कर दी गई है। इस नई सुविधा का उद्घाटन एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया।आधारभूत संरचना के उन्नयन, केंद्रीय वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना तथा मरीजों की सुविधाओं में विस्तार के बाद फ्लेबोटोमी ज़ोन को पुनः नवीनीकृत डोम-1 में स्थानांतरित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब बाह्य रोगी विभाग के मरीजों को प्रयोगशाला जांच के लिए प्रिंटेड पर्ची लेकर फ्लेबोटोमी ज़ोन आने की आवश्यकता नहीं होगी। चिकित्सक द्वारा जांच की इलेक्ट्रॉनिक अनुशंसा किए जाने के साथ ही उसकी जानकारी सीधे प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (लेबोरेटरी इन्फॉर्मेशन सिस्टम) में दर्ज हो जाएगी। इसके बाद मरीज सीधे फ्लेबोटोमी काउंटर पर पहुंचकर पंजीकरण करा सकेंगे, जहां कंप्यूटर पर उपलब्ध डिजिटल विवरण के आधार पर बारकोड तैयार कर रक्त अथवा अन्य नमूनों का संग्रह किया जाएगा।

नई पीढ़ी का भविष्य संवारना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

-राज्यस्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर(ए.)। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रभावना का विकास करना है। शिक्षा संस्कारित समाज, सशक्त राष्ट्र और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला है। राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी संसाधन और समान अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की नई पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में आयोजित राज्यस्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 को संबोधित करते हुए यह बात कही।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को स्नेह पूर्वक आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बड़े सपने देखें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र में 40 प्रशिक्षुओं का औद्योगिक प्रशिक्षण शुरू

रायपुर(आरएनएस)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के अंतर्गत चयनित 40 प्रशिक्षुओं के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में मानव संसाधनङ्कज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा जुलाई माह में ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक कार्य संस्कृति तथा इस्पात उद्योग की उत्पादन प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दो दिवसीय ओरिएंटेशन सत्र से हुआ, जिसमें प्रशिक्षुओं को भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यप्रणाली, एकीकृत इस्पात संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, औद्योगिक सुरक्षा मानकों, कार्यस्थल अनुशासन तथा संगठनात्मक संस्कृति की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद दो दिवसीय संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं ने प्रमुख उत्पादन इकाइयों का अवलोकन किया और आधुनिक इस्पात उत्पादन प्रणालियों तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं को निकट से समझा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य युवाओं को औपचारिक शिक्षा के साथ उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना तथा उनकी रोजगार क्षमता को सुदृढ़ बनाना है।

खेल समाचार

अवॉर्ड सेरेमनी में ट्रंप की हुई किरकिरी, स्पेनिश खिलाड़ियों ने किया किनारा, दर्शकों ने किया नजरअंदाज

स्पेन ,(आरएनएस) ,। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप में स्पेन की नौजवान टीम का खेल इतना शानदार था कि लियोनेल मेसी के पास भी इसका कोई जवाब नहीं था. और जब मैच खत्म हुआ, तो स्पेन ने ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे मेसी की आंखों में आंसू थे. स्पेन दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतकर फुटबॉल की दुनिया में टॉप पर पहुंच गया है.फेरान टोरेस ने इस वर्ल्ड कप में अपना पहला गोल किया जो यकीनन उनके करियर का सबसे बेहतरीन गोल था. इसी गोल की बदौलत रविवार को हुए फाइनल में स्पेन ने मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर जीत हासिल की. गोल, डिफेंस, टैक्टिस से इतर यहां भी डोनाल्ड ट्रंप खबरों में रहें जो होस्ट देश के राष्टपति के नाते फाइनल देखने पहुंचे थे. ट्रंप ने अपनी आदत से मजबूर होकर फुटबॉल के इस शानदार मौके को भी अपने रंग में रंगना चाहा लेकिन फैंस की हूटिंग के सामने उनकी एक न चली.

बिन बुलाए मेहमान बनने की कोशिश

जब डोनाल्ड ट्रंप और फीफा के प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो प्रेजेंटेशन सेरेमनी के लिए मैदान पर आए, तो स्टेडियम में मौजदू 80 हजार से ज्यादा लोगों ने जबरदस्त हूटिंग की. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पेन की जीत की पार्टी में बिना बुलाए शामिल होने की कोशिश की थी. ट्रंप 'मरीन वन' हेलीकॉप्टर से स्टेडियम पहुंचे. मैच शुरू होने से लगभग 45 मिनट पहले राष्टपति का हेलिकॉप्टर स्टेडियम के ऊपर से उड़ा था. मैच के दौरान वे इन्फेंटिनो के साथ लग्जरी सीटों वाले एक शीशे से कवर हिस्से में बैठे थे. उनके आस-पास कई बड़े लोग और पूर्व खिलाड़ी भी बैठे थे, जिनमें स्पेन के राजा फेलिप VI, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम शामिल थे. अमेरिका का राष्ट्रगान बजने के बाद स्टेडियम की वीडियो स्क्रीन पर कुछ देर के लिए ट्रंप को दिखाया गया. भीड़ में कुछ लोगों ने हूटिंग की, लेकिन ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान दूसरे स्पोर्ट्स इवेंट्स में इससे ज्यादा हूटिंग झेलना पड़ी है. हालांकि, जब स्पेन की जीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति और इन्फेंटिनो प्रेजेंटेशन के लिए मैदान पर आए, तो पूरे स्टेडियम में जोरदार हूटिंग होने लगी।

ट्रॉफी के साथ करोड़ों की कमाई, स्पेन और अर्जेंटीना दोनों को मिला बड़ा इनाम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में स्पेन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन ने इस जीत के साथ ही दूसरी बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। चैंपियन बनने के बाद स्पेन पर जमकर पैसों की बरसात हुई है।

स्पेन को फीफा विश्व कप का खिताब जीतने के बाद 50 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 480 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली। पिछले वर्ल्ड कप में इनामी राशि 42 मिलियन डॉलर थी, और इस बार प्राइज मनी को 8 मिलियन डॉलर बढ़ाया गया था। वहीं, फाइनल में हार का सामना करने के बावजूद अर्जेंटीना को भी 33 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 318 करोड़ रुपये) दिए गए।

नम आंखों से हुई विदाई : मेसी के आंसुओं ने तोड़ा करोड़ों फैंस का दिल, हार के साथ खत्म हुआ वर्ल्ड कप का सफर

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है।

स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।

लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए। मेसी ने सेमीफाइनल मुकाबले में

इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने इस विश्व कप में कई बड़े रिकॉर्ड्स को भी अपने नाम किया। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (12) करने वाले खिलाड़ी बने।उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पेले (10) को पीछे छोड़ा। वह तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मेसी अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। वह विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने।

फीफा वर्ल्ड कप- विश्व कप फाइनल खत्म होते ही छिड़ी जंग, स्पेन-अर्जेंटीना खिलाड़ियों के बीच मारपीट

स्पेन,(आरएनएस) ,। स्पेन ने फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान पर एक-दूसरे से भिड़ गए। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पेरेडेस हार के बाद

खुद पर काबू नहीं रख सके और वह स्पेन के खिलाड़ियों संग मारपीट करते हुए दिखाई दिए।फाइनल मैच की आखिरी सीटी बजने के बाद अर्जेंटीना के डिफेंडर नहुएल मोलिना ने स्पेन के एक खिलाड़ी के पेट में मुक्का मारा। वहीं, मिडफील्डर पेरेडेस को स्पेन के एरिक गार्सिया का गला पकड़कर धक्का देते हुए देखा गया, जिसके बाद अर्जेंटीना के हेड कोच स्कालोनी ने बीच-बचाव किया।गार्सिया के साथ हुई झड़प के अलावा, पेरेडेस ने गावी को जमीन पर गिरा दिया, उनके चेहरे पर हाथ रखकर उन्हें धक्का दिया और ऐसा लगा कि उन्होंने 21 वर्षीय बार्सिलोना मिडफील्डर की ओर अपना बूट (जूता) भी मारा। उसी समय, मोलिना ने रोड्री पर मुक्का चलाने की कोशिश की, जिससे स्पेनिश कप्तान रुक गए और गुस्से में अर्जेंटीना के डिफेंडर का सामना किया।इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी एलन शियरर ने 'बीबीसी' पर कहा, पेरेडेस ने किसी के चेहरे पर दो-तीन जोरदार मुक्के मारे। वह उन पर हमला करने के इरादे से गए थे। ऐसी चीजों के लिए कोई जगह नहीं है। हम जानते हैं कि यह उनके लिए कितना मायने रखता है और हारना कितना दुखद होता है, लेकिन हारने का भी एक तरीका होता है। हमने अर्जेंटीना की ओर से ऐसा कई बार देखा है। फाइनल विसल के बाद का उनका रिएक्शन बहुत बुरा है।

तीन छात्रों का कमाल, चोट से बचाने वाली स्पोर्ट्स टी-शर्ट बनाकर जीता नेशनल हैकाथॉन

नई दिल्ली,(आरएनएस) ,। तमिलनाडु के सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के तीन छात्रों ने ऐसी खास स्पोर्ट्स टी-शर्ट तैयार की है, जो तेज रफ्तार वाली गेंद लगने से खिलाड़ियों को होने वाली इंजरी को कम करने में मदद करती है। इस शानदार इनोवेशन के चलते उन्होंने सरकार समर्थित 'संरचना डिजाइन इनोवेशन हैकाथॉन' जीता।

कॉलेज की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, बी.टेक फैशन टेक्नोलॉजी के छात्र नंदीश्वर एम., जी. सरन और सुष्मिता के.एस. ने यह उपलब्धि हासिल की। यह प्रतियोगिता कपड़ा मंत्रालय ने 14 से 17 जुलाई तक नई दिल्ली में आयोजित भारतटेक्स 2026 के दौरान कराई थी। देशभर से आई 700 से अधिक प्रविष्टियों में उनकी टीम विजेता रही। इसके लिए उन्हें 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया गया।

छात्रों ने जो स्पोर्ट्स टी-शर्ट बनाई है, उसमें अंदर की तरफ एक खास सुरक्षा परत लगाई गई है। यह परत शियर-थिकनिंग फ्लूइड (एसटीएफ) नाम के आधुनिक पदार्थ से तैयार की गई है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि सामान्य स्थिति में यह नरम और लचीला रहता है, लेकिन जैसे ही इस पर तेज झटका या दबाव पड़ता है, यह तुरंत सख्त हो जाता है।

इस तकनीक की मदद से तेज रफ्तार वाली गेंद की टक्कर से पैदा होने वाली ताकत को काफी हद तक सोख लिया जाता है और उसे फैला दिया जाता है। इससे शरीर पर लगने वाला असर कम होता है और चोट का खतरा घट जाता है। इस टी-शर्ट का इस्तेमाल क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल और गोल्फ जैसे खेलों में किया जा सकता है।

कॉलेज के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य खिलाड़ियों को ऐसा स्पोर्ट्स वियर देना है, जो पहनने में हल्का और आरामदायक हो, लेकिन साथ ही उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा भी दे। इससे खिलाड़ियों को भारी सुरक्षा उपकरण पहनने की जरूरत कम हो सकती है। कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग की एक दूसरी टीम ने भी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। सुप्रिया ई., मोनिका एस. और कबीला श्री एन.आर. की टीम को 'बेस्ट इनोवेशन प्रोजेक्ट' श्रेणी में 'स्पेशल इनोवेशन रिकग्निशन अवॉर्ड' मिला। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों की मदद से सूती कपड़े को आग-रोधी बनाने की नई प्रक्रिया विकसित की है। उनके पर्यावरण के अनुकूल विचार और सुरक्षात्मक कपड़ों के क्षेत्र में संभावित उपयोग को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रिंसिपल एस.आर.आर. सेंथिलकुमार ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संस्थान में नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा पर दिए जा रहे जोर का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कॉलेज के छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरिंग के ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है।

मेरा काम प्रदर्शन करना, बाहरी शोर से फर्क नहीं पड़ता : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, (आरएनएस) ।इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान केवल भारतीय टीम के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी शोर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और उनका काम सिर्फ मैदान पर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना है।लॉर्ड्स वनडे मैच से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ऐसे दावे किए जा रहे थे कि यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है।

हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को निराधार बताया था। अब मैच के बाद रोहित ने भी अपने बयान से इन चर्चाओं को लगभग खारिज कर दिया।बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना और मैदान पर उतरकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है। डेब्यू के बाद से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बाहरी चर्चाएं और आलोचनाएं उनके करियर की शुरुआत से ही होती रही हैं और इससे उनके सोचने या खेलने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता।रोहित ने कहा कि जब से मैंने पदार्पण किया है, तब से यह शोर मौजूद है। जब तक मैं खेलूंगा, यह चलता रहेगा। इसलिए इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, शोर-शराबा होने दीजिए। अगर शोर न हो, तो मजा ही नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है और आलोचकों का काम मैदान के बाहर। मैं इसे इसी नजरिए से देखता हूं।

जिला अधिवक्ता संघ के चुनावः अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव सहित सभी पदाधिकारियों की हुई घोषणा

जिला सत्र न्यायाधीश, वरिष्ठ कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने विधिवत निष्पक्ष निर्विवादित एवं शांतिपूर्ण चुनाव की प्रशंसा की

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव सौहार्दपूर्ण वातावरण में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के सानिध्य में आपसी समन्वय एवं सामंजस्य के साथ विधिवत, निष्पक्ष, निर्विवादित एवं शांतिपूर्ण माहौल में परिणामों की घोषणा के साथ विजयी घोषणा पत्रों के वितरण के साथ संपन्न हुए। सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल ने जिला न्यायालय की प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा की मौजूदगी में घोषणा हुई। श्री पटेल ने अध्यक्ष पद पर सुरेंद्र सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष पद पर नीरज पटेल सचिव पद पर अनुपम दुबे सहसचिव पद पर सीके कुरापा कोषाध्यक्ष पद पर गुरप्रीत कौर तथा कार्यकारणी सदस्यों में आनंद गिरी, श्रीकांत रघुवंशी, सलोली अग्रवाल, दीप्ती राठौर तथा नीता चौधरी के विजयी होने की घोषणा की। ग्रंथपाल पद पर सौरभ तिवारी पूर्व में ही एक मात्र प्रत्याशी होने पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इस मौके पर विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार फस्ट एडीजे दिनेश कुमार नोटिया, द्वितीय एडीजे अभिनव जैन, सीजेएम फिरोज अख्तर, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दिव्या मित्तल, मजिस्ट्रेट स्वाति कौशल, मजिस्ट्रेट मधुवाला सोलंकी, मजिस्ट्रेट दीपक कनेरिया, मजिस्ट्रेट श्रुति अतुलकर, मजिस्ट्रेट के शिवांनी एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे। जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा, वरिष्ठ कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने विधिवत निष्पक्ष निर्विवादित एवं शांतिपूर्ण चुनाव की प्रशंसा की है। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक निर्वाचन अधिकारियों वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण व सौहाद्रमय माहौल में संपन्न होने पर समारोह में उपस्थित सभी न्यायाधीश, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, सभी प्रत्याशियों, विजेताओं व समस्त अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी चुनाव के दौरान ऐसा कुछ हो कि जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव निविरोध रूप से संपन्न हों। जिला सत्र न्यायाधीश ने श्रीमती शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता संघ के संपूर्ण चुनाव की प्रक्रिया बहुत ही अच्छे माहौल में संपन्न हुई न्यायालीन व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रही। सभी अधिवक्ताओं ने सहयोग प्रदान किए। बेंच और बार मिल कर अच्छा वातावरण तैयार करेंगे ऐसा विश्वास है। जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत ने विश्वास दिलाया कि मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि बेंच और बार में पूरी तरह आपसी समन्वय एवं सामंजस्य बना रहे। सभी अधिवक्ताओं के हितों का ध्यान रखा जाएगा।

मां नर्मदा की पूजा अर्चना की

घोषणा होने के बाद सभी विजेता अधिवक्ता और उनके साथियों ने एक जुलूश के रूप में मां नर्मदा तट पर पहुंच कर मां नर्मदा की पूजा अर्चना कर मां का आशीर्वाद लिया। विजयी घोषित होने पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहसचिव, ग्रंथपाल व कार्यकारिणी सदस्यों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया।

निर्वाचन टीम के प्रति जताया आभार

समस्त अधिवक्ताओं समस्त प्रत्याशियों तथा विजयी अधिवक्ताओं ने निर्वाचन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। चुनाव कार्य में लगे सहायक चुनाव अधिकारी राम दुबे, राजेश अग्रवाल संजेश राजपूत और प्रशांत पालीवाल शामिल रहे। घोषणा के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश पालीवाल व्हीके चौहान, रामराज ठाकुर, प्रशांत तिवारी के के थापक, प्रदीप चौबे, प्रदीप मिश्रा बृजेश शर्मा बलवंत सिंह ठाकुर, विजया कदम, कुसुम तोमर, अनूप तोमर, अनंत तिवारी, माधब हर्णे, अनिल कँानवा प्रकाश शुक्ला आदि वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे।

नवांकुर अभियान के तहत मंगलवार को जिलेभर में होगा 2 लाख से अधिक सीड बॉल का प्रसार

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ग्राम हासलपुर में सम्मिलित होकर करेंगे पौधा रोपण एवं सीड बॉल का विस्तार

नर्मदापुरम (निप्र)। प्राकृतिक वनीकरण को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से संचालित नवांकुर अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिले की समस्त जनपद पंचायतों, तहसीलों एवं नगरीय निकायों में एक साथ 2 लाख से अधिक सीड बॉल का व्यापक स्तर पर प्रसार किया जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा जनपद पंचायत नर्मदापुरम के ग्राम हासलपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर पौधारोपण एवं सीड बॉल का प्रसार करेंगे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नवांकुर अभियान के तहत अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सीड बॉल का प्रसार सुनिश्चित करें, जिससे प्राकृतिक वनीकरण को गति मिले और अधिक से अधिक वृक्ष विकसित हो सकें। उल्लेखनीय है कि बीज से वृक्ष तक के संकल्प के साथ विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से प्रारंभ हुए नवांकुर अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक 2 लाख से अधिक सीड बॉल का निर्माण किया जा चुका है। इस अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग तथा जेल प्रशासन विभाग की महत्वपूर्ण सहभागिता रही है। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से तैयार किए गए सीड बॉल का मंगलवार को जिलेभर में चयनित स्थलों पर प्रसार किया जाएगा, जिससे वर्षा ऋतु में बीजों के अंकुरित होकर पौधों के रूप में विकसित होने की संभावना बढ़ेगी और हरित आवरण में वृद्धि होगी।

सीड बॉल की विशेषता

वर्षा ऋतु में प्राकृतिक वनीकरण को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सीड बॉल **(Seed Ball)** तकनीक को प्रभावी एवं सरल उपाय के रूप में अपनाया जा रहा है। इस तकनीक के माध्यम से कम लागत में बड़े पैमाने पर स्थानीय वृक्षों का रोपण किया जा सकता है, जिससे हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ जैव विविधता का संरक्षण भी संभव है।

भगवान को मनाने पहुंची मां लक्ष्मी आगवानी करने पहुंचे मदन मोहन'

नर्मदापुरम(निप्र)। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के पांचवे दिन सोमवार को हेरा पंचमी का उत्सव परंपरागत हर्षोल्लास के साथ' 'मनाया गया। आज माता लक्ष्मी भगवान मनाने के लिए गुंडीचा भवन पहुंची।' 'माता के आगमन की सूचना मिलने पर भगवान मदन मोहन के द्वार पर जाकर माता की आगवानी की।' 'लक्ष्मी माता ने भगवान की वापस घर लौट चलने का आग्रह किया। भगवान ने माता को' 'उपहार भेंट किए और लौटने का आग्रह भी स्वीकार किया। इस अवसर पर' 'गुंडीचा भवन में खूब उत्सव हुआ। प्रसाद वितरण किया गया। भक्तों ने नाच गाकर उत्सव मनाया।'

'विशाल भंडारा आयोजित'

'आज गुंडीचा भवन में दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। भंडारे में सैकड़ों भक्तों ने भगवान' 'जगन्नाथ का प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के आयोजन में अग्रवाल समाज तथा अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा सहित अन्य भक्तों ने अपना योगदान किया और सेवाएं प्रदान की। गुंडीचा भवन में उत्सवों की श्रृंखला सतत जारी है।

मिशन शक्ति के तहत सुश्री वैशाली गुप्ता बनीं जिले की 'District Icon'

नर्मदापुरम(निप्र)। महिला एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण और सर्वांगीण विकास को समर्पित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'District Icon' बनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले की सुश्री वैशाली गुप्ता को मिशन शक्ति के अंतर्गत होशंगाबाद जिले की 'District Icon' बनाया गया है। सुश्री गुप्ता ने शिक्षा, समाजसेवा, कॉर्पोरेट जगत, नेतृत्व और अभिनय जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संजय कुमार जैन ने बताया कि सुश्री गुप्ता अब मिशन शक्ति के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों में जिले की महिलाओं एवं बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। उनका उद्देश्य अभियान से जुड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, शिक्षा और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने तथा समाज में जागरूकता फैलाने में सहयोग करना है।

केंद्रीय जेल नर्मदापुरम में अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार कर उनका प्रसार करें : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर ने केंद्रीय जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया, जेल परिसर में रोपा आंवले का पौधा महिला बंदियों के कौशल विकास एवं स्व-सहायता समूह के कार्यों की सराहना की

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को केंद्रीय जेल, नर्मदापुरम खण्ड-(अ) का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल परिसर में वृक्षारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक वनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जेल के बंदियों से अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार करवाने एवं उनका व्यापक स्तर पर प्रसार कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने जेल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने महिला बंदियों द्वारा संचालित स्व-सहायता समूह के कार्यों एवं उनके द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों का अवलोकन किया तथा उनकी सराहना की। कलेक्टर ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बंदियों के पुनर्वास, आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने इस दौरान जेल परिसर में आंवले के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने जेल में निरुद्ध बंदियों को दिए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण की भी जानकारी ली तथा

महिला बंदियों के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा बंदियों को रोजगारपरक गतिविधियों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, उप जेल अधीक्षक प्रहलाद सिंह वरकड़े, सहायक जेल अधीक्षक संतोष हरियाल, सहायक जेल अधीक्षक ऋतुराज सिंह दांगी, सहायक जेल अधीक्षक अर्पित चौधरी सहित जेल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वामित्व योजना के कार्यों में लापरवाही न हो, समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को नर्मदापुरम ग्रामीण तहसील के ग्राम रायपुर पहुंचकर स्वामित्व योजना के अंतर्गत संचालित ग्राउंड ट्रुथिंग (जीटी) कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में स्वामित्व योजना का कार्य निरंतर प्रगतिरथ है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना के तहत संचालित ग्राउंड ट्रुथिंग कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल है, इसलिए राजस्व अमला पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को निर्देशित किया कि स्वामित्व योजना के कार्यों की नियमित समीक्षा तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारियों के साथ बैठक आयोजित कर की जाए, ताकि सभी कार्य समय पर पूर्ण हो सकें तथा योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक शीघ्र पहुंचे।

नपा की अतिक्रमण मुहिम जारी

सतरस्ते पर मार्ग अवरूद्ध करने वाले फल सब्जी विक्रेताओं पर किया जुर्माना

नर्मदापुरम (निप्र)। सतरस्ते पर मार्ग अवरूद्ध कर अपना व्यवसाय कर रहे फल एवं सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया। इस दौरान बार बार समझाइश के बाद भी नहीं मानने वाले फल एवं सब्जी विक्रेताओं पर नपा के राजस्व दल द्वारा 900 रुपए का जुर्माना किया गया। साथ ही समझाइश दी गई कि नगर में किसी भी प्रकार की गंदगी न फैलाएं। आरएसआई ब्रजेश सारवान ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में बाजार क्षेत्र में व्यवस्था बनाई जा रही है। सोमवार को सतरस्ते पर फल एवं सब्जी विक्रेताओं अपने निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया। साथ ही कचरा फैलाने वाले दुकानदारों पर जुर्माना किया गया। साथ ही समझाइश दी गई। यातायात सुगम बनाने के लिए यह कार्रवाई लगातार चलती रहेगी। आज की कार्रवाई में आरएसआई ब्रजेश सारवान, एआरआई रवि सूर्यवंशी, कैलाश कन्नोजिया, सतीश रघुवंशी, शेख सिकंदर, नितेश गौर अनिल बघेल, रितिक शर्मा आदि उपस्थित रहे। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा फलए सब्जी विक्रेता और दुकानदारों से अपील की गई कि आगामी त्यौहारों को देखते हुए नगर को साफ स्वच्छ रखने में नपा का सहयोग करें। कचरा यहां वहां न फैंकें। कचरा वाहन आने पर कचरा उसी में डालें।

श्रम विभाग की त्वरित कार्रवाई से 17 श्रमिकों को मिला बकाया वेतन

नर्मदापुरम (निप्र)। कार्यालय श्रमायुक्त, नर्मदापुरम में सोमवार को अन्य राज्यों के 17 श्रमिकों द्वारा तहसील सोहागपुर स्थित एक राइस मिल में मशीन ऑपरेटर के पद पर कार्य करने के बावजूद वेतन का भुगतान नहीं किए जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई। शिकायत प्राप्त होते ही क्षेत्रीय श्रम निरीक्षक श्रीमती ज्योति पी.ए. ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित नियोजक से संपर्क कर श्रमिकों के बकाया वेतन का भुगतान सुनिश्चित कराया। श्रम विभाग की पहल पर राइस मिल प्रबंधन द्वारा 17 श्रमिकों को कुल 1 लाख 48 हजार रुपये की बकाया वेतन राशि का भुगतान किया गया।

इस्कॉन समिति एवं गीता भवन समिति द्वारा आयोजित भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित श्रद्धालुओं ने यात्रा मार्ग पर झाड़ू लेकर साफ-सफाई कर शुभारंभ किया

सीहोर (निप्र.)। शहर के बस स्टैंड के समीपस्थ गीता मानस भवन से इस्कॉन समितिऔर गीता मानस समिति के संयुक्त तत्वाधान में शहर के विभिन्न स्थान पर भगवान जगन्नाथ यात्रा निकाली गई। नवयौवन स्वरूप में भक्तों को दर्शन देने के बाद भगवान जगन्नाथ परिवार के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित श्रद्धालुओं ने यात्रा मार्ग पर झाड़ू लेकर साफ-सफाई कर शुभारंभ किया, इस मौके पर समिति की ओर से प्रदीप बिजौरिया आदि शामिल थे।नपाध्यक्ष श्री राठौर ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहाकि इस्कॉन समिति एवं गीता भवन समिति द्वारा आयोजित भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में सम्मिलित होकर प्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र जी एवं

माता सुभद्रा जी के दिव्य दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। यह पावन यात्रा श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति हमारी आस्था का अद्भुत प्रतीक है। प्रभु श्री जगन्नाथ जी से प्रार्थना है कि वे समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्रदान करें।

इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए इस्कॉन समिति, गीता भवन समिति तथा सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। रथयात्रा में चारों ओर जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयघोष गूंजते रहे।

रथ खींचने वालों में खासा उत्साह नजर आया। हर कोई रथ खींचकर पुण्य का भागीदार बनने को उत्सुक दिखा। धार्मिक और सामाजिक संगठनों के अलावा जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कई आंखें भक्तिभाव से नम नजर आई तो कई हरि बोल, हरे राम, हरे कृष्णा बोल की धुन पर झूमते नजर आए।

नर्मदापुरम के छात्र-छात्राओं को छात्रावासों में ही मिलेगी कोचिंग, 31 जुलाई तक करें आवेदन

नर्मदापुरम(निप्र.)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शासन द्वारा संचालित उत्कृष्ट छात्रावास एवं महाविद्यालयीन छात्रावासों में निवासरत छात्र/छात्राओं को अब छात्रावास में ही कोचिंग की सुविधा मिलेगी। इसके लिए इच्छुक शिक्षक/व्याख्याता 31 जुलाई 2026 तक संबंधित छात्रावास अधीक्षकों को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम श्री विवेक नागवंशी ने बताया कि कक्षा 9 से 12 तक के उतकृष्ट छात्रावासों में अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, भौतिक, रसायन एवं कम्प्यूटर के विषयों की कोचिंग की जाएगी। जिसमें वीरांगना रानी दुर्गावती उत्कृष्ट कन्या छात्रावास नर्मदापुरम, वीरांगना रानी दुर्गावती उत्कृष्ट कन्या छात्रावास केसला, राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह उत्कृष्ट बालक छात्रावास केसला एवं राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह उत्कृष्ट बालक छात्रावास पचमढ़ी शामिल है।

सामान्य भविष्य निधि का वार्षिक लेखा विवरण ऑनलाइन उपलब्ध

मध्यप्रदेश के अधिकारी-कर्मचारी घर बैठे देख सकेंगे GPF स्टेटमेंट, ऑनलाइन शिकायत निवारण की भी सुविधा

नर्मदापुरम (निप्र)। कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), मध्यप्रदेश, ग्वालियर ने राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि (GPF) खातों का वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेखा विवरण अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया है। इससे अभिदाता अब घर बैठे अपने GPF खाते का वार्षिक विवरण देख एवं डाउनलोड कर सकेंगे। कार्यालय महालेखाकार के अनुसार अभिदाता www.agmp.nic.in पर जाकर अपनी संबंधित सीरीज, सामान्य भविष्य निधि (GPF) लेखा क्रमांक तथा पासवर्ड दर्ज कर वार्षिक लेखा विवरण प्राप्त कर सकते हैं। यदि वार्षिक लेखा विवरण में किसी प्रकार की विसंगति अथवा त्रुटि पाई जाती है, तो उसके ऑनलाइन सुधार के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध Accountant General (A&E) के अंतर्गत Online Service में जाकर Register Grievances (AG) विकल्प के माध्यम से शिकायत दर्ज की जा सकती है। कार्यालय द्वारा इन शिकायतों का निराकरण महालेखाकार की निगरानी में सामान्यतः एक माह के भीतर किया जाता है।सामान्य भविष्य निधि से संबंधित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ), विभिन्न आवेदन प्रारूप तथा अन्य आवश्यक प्रपत्र भी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जिससे अभिदाताओं को आवश्यक जानकारी एवं सेवाएं एक ही मंच पर प्राप्त हो सकें। अभिदाता अपनी शिकायत दूरभाष 0751-2432457 तथा व्हाट्सएप नंबर +91-8827409410 पर भी दर्ज करा सकते हैं।

करणी सेना परिवार जीवन सिंह शेरपुर के नेतृत्व में इंदौर से भोपाल ट्रैक्टर यात्रा, किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर प्रदर्शन

सीहोर। सोमवार को इंदौर से भोपाल किसानों की समस्याओं को लेकर करणी सेना परिवार टीम जीवन सिंह शेरपुर के नेतृत्व में भोपाल के लिए भव्य ट्रैक्टर-यात्रा निकाली गई। इस मौके पर पुलिस ने फंदा टोल को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया, इसको लेकर प्रदर्शन करने भोपाल जा रहे थे।

प्रशासन ने टोल पर ही यात्रा को रोका, इस मौके पर करणी सेना परिवार ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर करणी सेना परिवार के जिलाध्यक्ष सीहोर ईश्वर सिंह चौहान आदि शामिल थे। श्री चौहान ने बताया कि पुलिस कार्रवाई के बाद किसानों ने सड़क पर धरना शुरू कर दिया, किसान नेताओं का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक फैसला नहीं लिया गया तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा, किसानों का कहना है कि उचित मुआवजा मिले बिना वे

अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि खेती ही उनके परिवारों की आजीविका का सबसे बड़ा सहारा है। करणी सेना परिवार ने चेताया है कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आगामी दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहाकि किसानों की अनेक मांगे पूरी नहीं की जा रही है। जिसमें बीमा आदि की मांग प्रमुख है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com